हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 237 Friday, 13 June 2025 शुक्रवार, 13 जून 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

पीएम मोदी संग 40 देशों के राजनयिक करेंगे योग, विशाखापत्तनम में जुटेंगे 5 लाख लोग

दिल्ली(एजेंसी),

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पीएम मोदी विशाखापत्तनम में पांच लाख लोगों संग योग करेंगे। 40 देशों के राजनयिक और सीएम चंद्रबाबू नायडु भी साथ होंगे। देशभर में एक लाख स्थानों पर योग संगम होंगे। आयुष मंत्रालय और आंध्र सरकार ने इसे ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की है।

गुजरात के अहमदाबाद में दर्दनाक विमान हादसा

लंदन जा रहा विमान हुआ क्रैश, 242 लोगों की मौत

पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी निधन, 169 भारतीय, 61 विदेशी यात्री थे सवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें सवार सभी 242 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी एपी ने गुजरात पुलिस कमिश्नर के हवाले से यह जानकारी दी। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी।

इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने एक्स पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं। एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर एआई-171 ने दोपहर 1.38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1.40 बजे यह क्रैश हो गई। जानकारी के मुताबिक विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम के ऑफिस के पास क्रैश हुआ। विमान के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया। एयर इंडिया का यह विमान लंदन जाने के लिए टेक ऑफ जैसे ही किया, वह पास के रिहायशी इलाके में जा गिरा। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट से जैसे ही एयर इंडिया का विमान बोइंग एआई-171 ने टेकऑफ किया, उसका इंजन फेल हो गया। पायलट के पास बस 1 मिनट ही टाइम था, मगर विमान इतनी कम ऊंचाई पर था कि वह पेड़ों से टकरा गया। यानी हादसा होना तय था। बताया जा रहा है कि उसका पिछला हिस्सा टकरा गया, जिससे विमान में आग लग गई। हालांकि, इसकी अभी जांच चल रही है। अहमदाबाद में एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन जिस बिल्डिंग पर गिरा वह अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के इंटर्न डॉक्टर्स रहते थे। ये इंटर्न डॉक्टर्स का हॉस्टल था जब विमान गिरा तब वहां 50 से 60 इंटर्न डॉक्टर्स थे। पता चला है कि यहां से छह शव निकाले गए हैं। विमान में आग लगने से उठे धुएं से हॉस्टल की बिल्डिंग पूरी तरह काली पड़ गई है और हर तरफ सिर्फ मलबा पड़ा है। अंदर जाकर देखा कि हॉस्टल खंडहर जैसा हो गया था। शव यहां-वहां बिखरे पड़े थे। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक हादसे में पूर्व सीएम नहीं बच पाए हैं। विमान में 242 पैसेंजर सवार थे। इनमें 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था। हादसे की जगह से अब तक 100 शव मिलने की खबर है।

सड़कों पर बिखरी पड़ी थीं लाशें, पहचानना मुश्किल

धमाका इतना खौफनाक था कि आसपास की सड़कों पर लाशें बिखरी हैं। जले शवों को पहचानना तक मुश्किल हो रहा है। लोग अपनों की सलामती के लिए मंदिर में प्रार्थना कर रहे हैं। इस हादसे को लेकर जानकारी सामने आई है कि प्लेन को टेक ऑफ करने से पहले जांच की गई थी लेकिन कोई कमी नहीं मिली। टेक ऑफ करने के बाद पायलट ने मेडे कॉल दी थी, जिसमें यह संकेत दिया जाता है कि प्लेन खतरनाक स्थिति में है। हालांकि, इस कॉल के बाद प्लेन को बहुत कम वक्त मिला और 242 लोगों को लेकर लंदन जा रहा विमान नीचे आकर एक बिल्डिंग से टकरा गया। इस हादसे के बाद यात्रियों के परिजनों के लिए एक पैसेंजर हेल्पलाइन साझा की है। यात्री के परिजन जानकारी के लिए हॉट लाइन नंबर 1800 5691 444 पर संपर्क कर सकते हैं। इस हादसे में घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

पीएम स्टार्मर बोले-हादसे के विजुअल बहुत भयानक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इस प्लेन में 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत 242 पैसेंजर सवार थे। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने इस हादसे पर दुख जताया है। कीर स्टार्मर ने संसद में कहा- कई ब्रिटिश नागरिकों को लेकर लंदन जा रहे प्लेन के अहमदाबाद में क्रैश होने के कई विजुअल बहुत भयानक हैं। मुझे हर अपडेट के बारे में जानकारी दी जा रही है। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों के साथ है। वहीं, ब्रिटिश सांसद लूसी पॉवेल ने कहा कि ब्रिटिश सरकार एअर इंडिया विमान में सवार लोगों को 'हर संभव मदद' मुहैया कराएगी। संसद में बोलते हुए पॉवेल ने कहा कि कई परिवार हैं, जो अपने लोगों के आने का इंतजार कर रहे हैं। यह बहुत चिंता की बात है।

शब्दों से परे, यह दिल दहला देने वाली घटना

- अहमदाबाद विमान हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने इसे शब्दों से परे परे और दिल दहला देने वाला हादसा बताया। साथ ही, बताया कि वह अपने मंत्रियों व अधिकारियों से संपर्क में हैं। अहमदाबाद के मेघाणीनगर में हुए विमान हादसे में लगभग सभी लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक आंकड़ा सामने नहीं आया है। यह हादसा गुरुवार दोपहर 1.38 मिनट पर हुआ। पीएम मोदी ने विमान हादसे को लेकर एक्स पर पोस्ट किया, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। हादसे के तुरंत बाद पीएम मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू से बात की और अहमदाबाद हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की जानकारी ली। विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पश्चिम बंगाल में दुकान खोलने को लेकर दो समुदाय टकराए

- 5 घायल, 29 उपद्रवी गिरफ्तार, भाजपा नेता का दावा-मंदिर भी तोड़ा गया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के रवींद्रनगर इलाके में बुधवार को दो समुदायों के बीच दुकान खोलने को लेकर हिंसक झड़प हो गई। उपद्रवियों ने पुलिस थाने के बाहर पथराव किया, टायर जलाए और एक बाइक को आग के हवाले कर दिया। अब तक 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना में 5 लोग घायल हो गए। वहीं, 1 महिला पुलिसकर्मी सहित कई पुलिसवाले भी घायल हुए हैं। स्थिति संभालने के लिए कोलकाता पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात की। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी और राज्य के अन्य भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि रवींद्र नगर पुलिस स्टेशन के पास मेटिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत महेशतला के वार्ड नंबर 7 में एक शिव मंदिर में तोड़फोड़ की गई। शुभेंदु ने इंस्पेक्टर को निलंबित करने की मांग के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता पुलिस मुख्यालय के बाहर धरना दिया और केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की। उन्होंने राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस से इंस्पेक्टर मुकुल मिया को निलंबित कर भूमिका की जांच की मांग भी की।

फडणवीस और राज ठाकरे की डेढ़ घंटे हुई मुलाकात

- शिवसेना यूबीटी-मनसे गठबंधन पर लग सकता है ब्रेक • उद्धव ठाकरे ने कहा था-जनता जो चाहेगी अब वही होगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की। ये मीटिंग मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में करीब डेढ़ घंटे तक चली। यह कार्यक्रम सीएम फडणवीस के शेड्यूल में शामिल नहीं था। अचानक हुई इस मीटिंग के बाद राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि पिछले दिनों शिवसेना और मनसे (यूबीटी) के बीच गठबंधन की जो संभावनाएं थीं, उन पर फिलहाल विराम लग सकता है। हालांकि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे ने कहा, ये मुलाकात राजनीतिक नहीं हैं। देवेंद्र जी के हर व्यक्ति के साथ अच्छे संबंध हैं। दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 6 जून को अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ गठबंधन के संकेत दिए थे। उद्धव ने कहा था कि महाराष्ट्र की जनता जो चाहेगी, वही होगा।

अखिलेश की तरकीब से बिहार में तेजस्वी करेंगे बड़ा 'खेला'

- बीजेपी को गच्चा देने का है प्लान, नड्डा एंड ब्रिगेड की भी है पूरी तैयारी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जीत दर्ज करने के लिए बीजेपी प्लानिंग में जुट गई है। इस योजना में एंटी-इंकंबेंसी का न होना, जातीय समीकरण, ऑपरेशन सिंदूर का गुणगान प्रयास है कि वह समाजवादी पार्टी वाली प्लानिंग जाति जनगणना कार्ड और नीतिश कुमार के लिए सहानुभूति शामिल है। बीजेपी सूत्रों के अनुसार, पार्टी किसी भी तरह की लापरवाही से बच रही है। जेपी नड्डा एंड ब्रिगेड भली-भांति समझती है कि बिहार चुनाव में जातीय गोलबंदी के मोर्चे पर उनका कड़ा मुकाबला है। एनडीए के पास बिहार में जीतने के लिए बहुत कुछ है। पार्टी को उम्मीद है कि वह नीतिश कुमार के नेतृत्व में बिहार चुनाव हर हाल में जीतेगी। हालांकि, पार्टी सतर्क है और ओवर कॉन्फिडेंस से बच रही है। उन्हें पता है कि बिहार चुनाव एक 'जातीय गोलबंदी' की लड़ाई है। वहीं आरजेडी का प्रयास है कि वह समाजवादी पार्टी वाली प्लानिंग बिहार में दोहराए। तेजस्वी यादव का प्रयास है कि वह 2025 के बिहार चुनाव में वही करें जो 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में किया था। आरजेडी यादव-मुस्लिम समुदाय से बाहर के उम्मीदवारों को टिकट दे रही है। इसके अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव में कंफ्यूजन क्रिएट कर बीजेपी को झांसे में रखने का काम किया था।

पंजाब में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की कार में लाश मिली

युवक पार्किंग में छोड़कर भागा, आतंकी डल्ला ने अश्लील कंटेंट पर धमकी दी थी

लुधियाना/बठिंडा (एजेंसी)। पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी उर्फ कंचन कुमारी की मौत हो गई। उसकी लाश बठिंडा में एक अस्पताल की पार्किंग में कार से मिली। फिलहाल पुलिस ने शव को ब्जे में लेकर सिविल अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। अभी यह सामने नहीं आया है कि कमल कौर की हत्या किसने की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें 10 जून को सुबह 5.33 बजे एक कार अस्पताल की पार्किंग में आती हुई दिख रही है। एक सिख युवक कार पार्क करके वहां से चला जाता है। कमल कौर (30) लुधियाना की रहने वाली थीं। वह इंस्टाग्राम पर अक्सर विवादित और अश्लील रील बनाती थी।

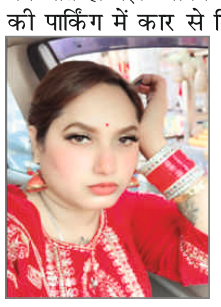

गजब की खुदगर्जी पर उतर आया ट्रंप का अमरीका

- आतंकवाद पर अब देगा पाकिस्तान का साथ, मुनीर को भेजा न्योता • दोगलापर उजागर, नापाक हस्ते के खुलासे के बाद टेंशन में भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26/11 की घटना के बाद दुनिया में यह माहौल बना था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका सबसे आगे रहेगा। लेकिन, पिछले कुछ समय में ऐसी कई चीजें देखने को मिली हैं, जिससे साफ हो चुका है कि दुनिया का सुपरपावर समझने वाला अमेरिका आतंकवाद के मामले में भी निहित स्वार्थ में डूबा हुआ है। उसे सिर्फ उन आतंकियों से दुश्मनी है, जिससे उसके अपने हित प्रभावित हो रहे हैं। बाकी आतंकवाद को राष्ट्रीय नीति के तौर पर चलाने वाला पाकिस्तान जैसा देश ही क्यों न हो, अमेरिका उनके साथ खड़ा रहेगा। ऐसे में पहलगाम हमले के बाद दुनिया भर में आतंकवाद के खिलाफ अभियान चलाने वाले भारत की लड़ाई को नए सिरे से लड़ने की जरूरत आ खड़ी हुई है। आतंकवाद के मसले पर अमेरिका की दोहरी नीति की सबसे बड़ी पोल उसके सेंट्रल कमांड के चीफ जनरल माइकल कुरिला के एक बयान से खुली है। उन्होंने आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान को एक 'वैल्यूएबल पार्टनर' बताया है। यहां तक कि उन्होंने आतंकी संगठनों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही है। अमेरिकी सीनेट कमेटी के सामने जनरल कुरिला ने कहा कि आईएसआईएस-के पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर के आदिवासी इलाकों में एक्टिव है। ऐसे में उसके लिए पाकिस्तान की भूमिका और भी अहम हो जाएगी। उन्हें इस बात की खुशी है कि पाकिस्तान ने मोहम्मद शरीफुल्ला को गिरफ्तार और प्रत्यर्पित किया। शरीफुल्ला आईएसआईएस-के का प्लानर था। उसने 26 अगस्त 2021 को एब्बे गेट पर आत्मघाती हमला किया था, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक और 160 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने आतंकी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें फोन किया था और अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी और अमेरिकी राष्ट्रपति को जानकारी देने के लिए भी कहा था। वे पिछले कुछ महीनों में जनरल मुनीर से कई बार मिल चुके हैं। अमेरिका के एक बड़े अधिकारी ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ आतंकवाद पर अपनी तालमेल का महिमामंडन कर रहे हैं, जब पहलगाम आतंकी हमले में जनरल असीम मुनीर की भूमिका का पर्दाफाश हो चुका है। पाकिस्तानी सेना के इसी चीफ के भड़काऊ बयान के हफ्ते भर बाद ही पहलगाम की बैसरन घाटी को पाकिस्तानी आतंकियों ने 25 भारतीय और एक विदेशी नागरिक का धर्म पूछकर उनके खून से लाल कर दिया। मतलब, माइकल कुरिला ने जो कुछ कहा है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो रवैया दिखाया है, वह ठीक नहीं है।

भाजपा के नए अध्यक्ष का चुनाव 21 जुलाई तक संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले हो सकता है। अगले हफ्ते से इस दिशा में कवायद तेज हो जाएगी। लगभग 10 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए जाएंगे। इसके तुरंत बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की तरफ से अनौपचारिक बातचीत में इसके साफ संकेत मिले हैं कि नए अध्यक्ष का चुनाव अब टाला नहीं जाएगा।

संपादकीय

दुनिया में खसरे की वापसी...?

खसरे का संक्रमण एक बार फिर अपने पांव तेजी से पसार रहा है। यह किसी एक देश की बात नहीं, बल्कि दुनिया भर में खसरे के मामले बढ़ रहे हैं। इससे संबंधित एक हालिया रपट ने विश्व भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों को चिंता में डाल दिया है। इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में पूरी दुनिया में खसरे के एक करोड़ तीन लाख मामले सामने आए, जो 2022 की तुलना में 20 फीसद अधिक हैं। इसे अमेरिका, यूरोप, भारत और आस्ट्रेलिया सहित कई देशों के लिए नई चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

खसरा सबसे ज्यादा बच्चों को प्रभावित करता है और इसे टीकाकरण से रोका जा सकता है। मगर सवाल यह है कि जब दुनिया भर में इस संक्रमण का टीका वर्षों से उपलब्ध है, तो इसकी चाल फिर तेज क्यों हो रही है? इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें वैश्विक स्तर पर खसरे से निपटने के उपायों में ढिलाई से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

गौरकरने वाली बात है कि खसरे से बचने के लिए तैयार किया गया टीका वर्ष 1963 से ही दुनिया भर में उपलब्ध है और इसके प्रभावशाली नतीजे भी सामने आए हैं। मगर पिछले कुछ वर्षों में इसके संक्रमण के मामले बढ़ना भारत समेत दुनिया के तमाम देशों के लिए एक चेतावनी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अमेरिका की स्वास्थ्य संस्था सेंटर फार डिजीज कंट्रोल (सीडीसीसी) की रपट के अनुसार, भारत उन 57 देशों में से एक है, जहां वर्ष 2023 में खसरे के मामले बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि वैश्विक स्तर पर इस संक्रमण के फैलने की घटनाएं 20 फीसद बढ़ी हैं।

अमेरिका में तो वर्ष 2000 में खसरे के उन्मूलन की घोषणा कर दी गई थी, लेकिन पच्चीस साल बाद वहां की स्वास्थ्य संस्था सीडीसी ने इस साल जनवरी से मई तक देश में खसरे के 900 मामले सामने आने की पुष्टि की है। आस्ट्रेलिया में इस साल के शुरुआती पांच महीनों में खसरे के 77 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2024 में यहां कुल 57 मामले सामने आए थे। यूरोप में पिछले 25 वर्षों की तुलना में खसरे के सबसे अधिक मामले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए।

मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया भर में खसरे के टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करने का वक्त आ गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रपट में कहा गया है कि कोरोना महामारी भी खसरे का संक्रमण बढ़ने की एक वजह बनी है। उस दौरान लोगों का ध्यान कोरोना के टीके लगवा कर इससे बचने पर था। इससे खसरे का टीकाकरण प्रभावित हुआ। मगर, यह भी सच है कि कोरोना काल के बाद सरकारी स्तर पर खसरे के संक्रमण को रोकने को लेकर जो सक्रियता दिखाई जानी चाहिए थी, उसका अभाव रहा।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, खसरे से संक्रामित व्यक्ति कई लोगों में संक्रमण फैला सकता है। लिहाजा दुनिया के लिए यह सावधान होने की घड़ी है। व्यापक स्तर पर टीकाकरण के बिना इस बीमारी से सुरक्षा पाना मुश्किल है। इस रपट के सामने आने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सलाह दी है कि सभी देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को टीके की दो-खुराक अवश्य मिले।

दिल्ली में आग से मौतें, अनियोजित विकास और अग्नि सुरक्षा में लापरवाही का भयावह परिणाम

दिल्ली अनियोजित विकास की एक ऐसी तस्वीर है, जहां हमें एक तरफ झुग्गियां दिखाई देती हैं, तो दूसरी ओर गगनचुंबी इमारतें। नतीजा यह कि यहां सघन बस्तियों से लेकर औद्योगिक क्षेत्रों में आग लगने से बड़े नुकसान का जोखिम हमेशा बना रहता है। भीषण गर्मी के दिनों में आग लगने की घटनाएं प्रायः सामने आती हैं। यहां आधुनिक कही जानी वाली कई मंजिलों वाली रिहायशी इमारतें बनाने की इजाजत तो दी गई, लेकिन वहां अग्नि सुरक्षा इंतजामों में जिस तरह की लापरवाही बरती गई, उसका खमियाजा अब उनमें रहने वाले नागरिकों को भुगतना पड़ता है।

इन इमारतों में आग बुझाने के उपकरण जरूर लगाए गए, पर इसकी जांच-परख महीनों तक नहीं होती। द्वारका में मंगलवार को जिस बहुमंजिला इमारत में आग लगी, वहां अग्नि शमन के पुख्ता उपाय किए गए होते, तो एक पिता और उसकी बेटी तथा भतीजे की मौत न होती। दरअसल, आग की इस घटना के वक्त लपटों से बचने के लिए इन तीनों को जब कोई विकल्प नहीं सूझा तो वे बालकनी से नीचे कूद गए और उनकी जान चली गई।

इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार है? यह निराशाजनक है कि इमारतों में अग्निशमन के सामान्य उपकरणों को ही पर्याप्त मान कर अधिकारी अनापत्ति प्रमाणपत्र दे देते हैं। द्वारका की जिस इमारत में आग लगी, उसकी नीचे की मंजिलों पर लोग खिड़कियां तोड़ते और बालकनी से बचाने की गुहार लगाते देखे गए। इससे साबित होता है कि इमारत की सभी मंजिलों पर आग से बचाव के लिए कारगर उपाय नहीं किए गए थे।

यह जानते हुए भी कि न केवल रिहायशी, बल्कि औद्योगिक इलाकों में हर वर्ष आग लगने की घटनाएं होती हैं, तो रोकथाम के उपाय पहले ही क्यों नहीं किए जाते? समय-समय पर जांच क्यों नहीं होती कि उपकरण काम कर भी रहे हैं या नहीं? बार-बार ऐसे हादसे न हों, इसके लिए अब जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

आज का कार्टून

लालू के बर्थ-डे में उमड़ा जनसैलाब

स्त्री-पुरुष संबंधों में बिगड़ते संतुलन की त्रासदी: एक नैतिक और मानवीय विमर्श

वैवाहिक संबंधों में अविश्वसनीयता आज समाज के सामने एक बहुत बड़ी समस्या बन कर सामने खड़ा है। आधुनिक जीवनशैली में संवादहीनता से विश्वास और सम्मान का अभाव अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। 1 जनवरी से 31 मई 2025 के बीच पांच महीने में 1169 मामले फैमिली कोर्ट में पहुंचे हैं, जो 2024 की तुलना में 216 मामले अधिक हैं। इनमें तलाक के 700 व घरेलू हिंसा व भरण पोषण के 469 मामले हैं, जबकि 2024 में तलाक के 506 व भरण पोषण, घरेलू हिंसा के 447 फैमिली कोर्ट में आए थे। इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि भारत जैसा देश जहाँ विवाह को जन्म-जन्मान्तर का सम्बन्ध माना जाता था, आजकल फैमिली क्राइसिस से गुज़र रहा है और वैवाहिक संस्था की आस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

दीपा लाभ

समाज में पारिवारिक संरचना को हमेशा से आदर्श और स्थायित्व का प्रतीक माना गया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऐसे आपराधिक घटनाक्रमों की संख्या में वृद्धि हुई है, जहाँ विवाह जैसी पवित्र संस्था छल, द्वेष और हिंसा का माध्यम बन गई है। राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी जैसे मामले इस बात का प्रमाण हैं कि अब केवल स्त्रियाँ ही नहीं, बल्कि पुरुष भी घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। हालाँकि सोनम का जुर्म अभी साबित नहीं हुआ है, और असलियत सामने आने में वक्त लग सकता है। मगर इसकी संभावना से इनकार भी नहीं किया जा सकता। हाल-फिलहाल में पत्नी द्वारा पतियों की हत्या या तलाक के नाम पर उत्पीडन के कई मामले समूचे देश की सुर्ख़ियों में शामिल रहे हैं। इन मामलों में कानून, प्रशासन और सरकारें अपनी भूमिका निभाती रहेंगी, मगर इस देश के प्रबुद्ध नागरिक होने के नाते हमारी मानवीय और नैतिक ज़िम्मेदारियों पर विमर्श की आवश्यकता है।

मेघालय से लापता सोनम का एक पखवारे बाद ग़ाज़ीपुर में मिलना उसे संदेह के घेरे में डाल चुका है। राजा रघुवंशी की हत्या की साज़िश में यदि उसकी संलिप्तता साबित हो जाती है तब विवाह जैसे पवित्र बंधन से युवाओं का भरोसा उठना स्वाभाविक है। सात फेरों के इस पावन रिश्ते के साथ ऐसा खिलवाड़ अमानवीय है। चाहे सौरभ सिंह हो या राजा रघुवंशी, इन मामलों से यह बात साफ़ है कि बात केवल अपराध की वीभत्सता तक सीमित नहीं है। 36 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल अतुल सुभाष की आत्महत्या जिसके पीछे तलाक की प्रक्रिया और पत्नी द्वारा मानसिक प्रताड़ना कारण बताया गया, सोचने को मजबूर करती है कि आज की पीढ़ी की, विशेषकर स्त्रियों की मनोदशा या मानसिकता ऐसी क्यों होती जा रही है।

वैवाहिक संबंधों में अविश्वसनीयता आज समाज के सामने एक बहुत बड़ी समस्या बन कर सामने खड़ा है। आधुनिक जीवनशैली में संवादहीनता से विश्वास और सम्मान का अभाव अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। 1 जनवरी से 31 मई 2025 के बीच पांच महीने में 1169 मामले फैमिली कोर्ट में पहुंचे हैं, जो 2024 की तुलना में 216 मामले अधिक हैं। इनमें तलाक के 700 व घरेलू हिंसा व भरण पोषण के 469 मामले हैं, जबकि 2024 में तलाक के 506 व भरण पोषण, घरेलू हिंसा के 447 फैमिली कोर्ट में आए थे। इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि भारत जैसा देश जहाँ विवाह को जन्म-जन्मान्तर का सम्बन्ध माना जाता था, आजकल फैमिली क्राइसिस से गुज़र रहा है और वैवाहिक संस्था की आस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

जो कानून महिलाओं की सुरक्षा और अस्मिता की रक्षा के लिए बनाया गया था, उसी कानून का फ़ायदा उठा कर महिलाएँ अब पैसे ऐंठना, संपत्ति लूटना और पति व ससुराल वालों को मानसिक उत्पीड़न देने से नहीं

कतराती हैं। ऐसा नहीं है कि महिलाओं को इस कानून की आवश्यकता नहीं थी, किन्तु दहेज कानून (498) और घरेलू हिंसा अधिनियम के दुरुपयोग के कई मामले अब जनता की नज़रों में आ चुके हैं। अवसाद, ईगो क्लैश, अपेक्षाओं का टकराव और आर्थिक अस्थिरता भी संबंधों में विष घोलते हैं। ऐसे में एक कदम आगे बढ़कर हत्या जैसी वारदातों को अंजाम देना एक नई समस्या की ओर इशारा कर रहा है - मेंटल हेल्थ।

मानव जीवन अमूल्य है। विवाह यदि प्रेम, सहयोग और साझेदारी का आधार न बन सके तो उसे सुलझाने के कानूनी और सामाजिक उपाय होने चाहिए, न कि हिंसा या छल से इसका अंत। किसी भी पक्ष द्वारा मानसिक या शारीरिक शोषण केवल कानून का नहीं, नैतिकता का भी उल्लंघन है। हर मानव को सुनने और समझे जाने की आवश्यकता होती है। एक स्वस्थ दांपत्य के लिए केवल अधिकार नहीं, कर्तव्य और संवेदना की ज़रूरत है। इस कार्य के लिए कानून, समाज और प्रशासन की साझेदारी की भूमिका होनी चाहिए।

समस्या गम्भीर है, किन्तु उपायों पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। जैसे पूर्व-विवाह परामर्श को प्रोत्साहन दिया जाए। मीडिया और फिल्मों में संतुलित और संवेदनशील चित्रण हो ताकि विवाह और संबंधों की समझ सही रूप में विकसित हो। स्कूल स्तर पर नैतिक शिक्षा, सह-अस्तित्व और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि वे विवाह के समय केवल उत्सव न करें, बल्कि जिम्मेदारियों की समझ भी विकसित करें। डिजिटल रिकॉर्डिंग और साक्ष्य को कानूनी रूप से अधिक मान्यता दी जाए जिससे झूठे आरोपों का पर्दाफाश हो सके। विशेषकर, राजा रघुवंशी केस में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इस केस ने जिस प्रकार जनमानस और न्याय प्रणाली का ध्यान आकर्षित किया, उसमें मीडिया एक प्रमुख कड़ी के रूप में सामने आया। प्रारंभ में जब केस की जानकारी सीमित थी और पुलिस प्रशासन पर निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह था, तब मीडिया ने लगातार रिपोर्टिंग कर इस मामले को सामने लाने का कार्य किया। इससे जनता में जागरूकता फैली और उच्चस्तरीय जांच की माँग उठी।

मीडिया कवरेज ने जनभावनाओं को स्वर दिया और प्रशासन व न्यायिक संस्थाओं पर कार्रवाई के लिए नैतिक दबाव बनाया। यही दबाव था जिससे केस की जांच विशेष एजेंसियों तक पहुँच सकी। हालाँकि, कुछ मीडिया चैनलों द्वारा बिना ठोस प्रमाणों के आरोपियों को दोषी या निर्दोष ठहराने की प्रवृत्ति देखी गई, जिससे ट्रायल बाय मीडिया जैसी स्थिति उत्पन्न हुई। इससे न्यायिक प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है और यह निष्पक्ष न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध जाता है। मीडिया ने केस से संबंधित अदालती कार्यवाहियों, साक्ष्यों और घटनाक्रमों को जनता तक पहुँचाने का कार्य किया, जिससे पारदर्शिता बनी रही। राजा रघुवंशी केस में मीडिया ने एक सजग प्रहरी की भूमिका निभाई, लेकिन कुछ जगहों पर इसकी निष्पक्षता और संयम पर प्रश्नचिन्ह भी लगे। इसलिए ऐसी संवेदनशील घटनाओं में मीडिया को जिम्मेदार और संतुलित भूमिका निभानी चाहिए ताकि न्याय और लोकतंत्र दोनों को बल मिले।

आज की दुनिया में स्त्री और पुरुष दोनों ही समान रूप से संवेदनशील, भावनात्मक और पीड़ित हो सकते हैं। जिस समाज में किसी भी एक वर्ग की पीड़ा को उपेक्षित किया जाता है, वहाँ न्याय और संतुलन की बात अधूरी रह जाती है। यह आवश्यक है कि हम विवाह को एक संवेदनशील साझेदारी समझें, न कि संघर्ष का मैदान। केवल तभी हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ सकेंगे जो वास्तव में न्याय, करुणा और सह-अस्तित्व पर आधारित हो।

पिता की खामोश मासूमियत, रिश्तों की गहराई को समझने की एक कोशिश

बच्चे को बड़ा होते देखना भला किसे नहीं भाता, पर बच्चा इतना भी बड़ा न बन जाए कि उससे संवाद करने के लिए वातावरण को हल्का करने की आवश्यकता पड़े। दिन भारी लगने लगते हैं, जब बच्चे से बात करने के लिए पिता को इंतजार करना पड़ता है। संभव है कई घरों में वातावरण हल्का रहता हो। पिता और पुत्र एक मित्र की तरह संवाद करते दिखाई देते हों। साथ-साथ घूमने जाना, एक साथ मिल कर भोजन करना आदि क्रियाकलाप हों। ऐसे माहौल में पता ही नहीं चलता कि घर में किसकी चलती है, पिता की या बेटे की। एक उम्र के बाद पिता और भी अधिक खामोश होने लगते हैं।

महेश परिमल

हमने किसी सोते हुए बच्चे को देखा होगा। उसे देखते हुए क्या हमें ऐसा नहीं लगता कि यह कितना मासूम है? उसके चेहरे पर जो मासूमियत होती है, उसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती। वह चेहरा हमारे सामने सदैव होता है, बच्चे के बड़े होने तक। हम उसी चेहरे को हमेशा प्यार करते हैं। एक और चेहरा हमारे सामने होता है। हम कोशिश करके उसे याद कर सकते हैं। हमसे कुछ सहायता प्राप्त करने वाला या कहा जाए कि हमसे उधार मांगने वाला चेहरा।

इस चेहरे के भाव कुछ अलग से होते हैं, पर वह भी मासूम ही होता है। इस चेहरे पर दो तरह के भाव पाए जाते हैं। एक तो स्वाभिमान का, दूसरा शर्म का। जो हाथ पहले कभी किसी के आगे नहीं फैले होंगे, किसी वक्त वही हाथ कुछ मांगने के लिए किसी के सामने फैलाने पड़ते हैं। जो हाथ सदैव देने के लिए उठे होते हैं, बाद में वही मांगने के लिए उठते हैं। इन दोनों भावों को हम उस वक्त देख सकते हैं, जब हमसे कोई पहली बार उधार मांग रहा हो।

मासूमियत वाले दो चेहरे और होते हैं। ये चेहरे होते हैं हमारे माता-पिता के। यह बात भले ही गले से नीचे नहीं उतर रही हो, पर यह

सच है कि माता-पिता के चेहरे भी मासूम होते हैं। अगर हमें अपने माता-पिता के चेहरे पर मासूमियत नजर नहीं आ रही है, तो हमें अपनी समझदारी और दृष्टि पर गौर करने व उसमें सुधार करने की जरूरत है। अफसोस है कि हमें अपने माता-पिता कभी मासूम नहीं लगते।

हालांकि, मां को इस सामाजिक व्यवस्था में मिले दर्जे की वजह से सर्वोच्च स्थान पर देखा जाता रहा है और इस नाते कई बार उनके चेहरे में मासूमियत दिखती है, जो स्वाभाविक और सही है। लेकिन पिता को आमतौर पर इस दृष्टि से नहीं देखा जाता। यह वह चेहरा होता है, जो सदैव सख्त दिखाई देता है। लोग इसी सख्त और गंभीरता वाले चेहरे से डर जाते हैं। हम उनके भीतर अजस्र रूप से बहती उस स्वच्छंद नदी के प्रवाह को नहीं देख पाते, जो सदैव बना रहता है। जो देख पाते हैं, वे बहुत ही भाग्यशाली होते हैं।

आज जीवन मूल्य तेजी से बदल रहे हैं। सामाजिक जीवन अब कुछ ऐसी जटिलताओं से गुजर रहा है कि पिता-पुत्र के बीच की दूरियां बहुत बढ़ गई हैं। आपाधापी इतनी है कि घर में रहने वाले और तेजी से बड़े होते बच्चों के साथ संवाद तो जैसे गायब हो गया है। कई बार संवाद का काम आंखें ही कर लेती हैं। प्यार से गले लगाने के दृश्य तो अब यदा-कदा ही दिखाई देते हैं। पिता-पुत्र के बीच संवाद के सेतु का काम मां को ही करना होता है। जहां मां न हो, वहां तो स्थिति और भी विकट होती है।

बच्चे को बड़ा होते देखना भला किसे नहीं भाता, पर बच्चा इतना भी बड़ा न बन जाए कि उससे संवाद करने के लिए वातावरण को हल्का करने आवश्यकता पड़े। दिन भारी लगने लगते हैं, जब बच्चे से बात करने के लिए पिता को इंतजार करना पड़ता है। संभव है कई घरों में वातावरण हल्का रहता हो। पिता और पुत्र एक मित्र की तरह संवाद करते दिखाई देते हों। साथ-साथ घूमने जाना, एक साथ मिल कर भोजन करना आदि क्रियाकलाप हों। ऐसे माहौल में पता ही नहीं चलता कि घर में किसकी चलती है, पिता की या बेटे की। एक उम्र के बाद पिता और भी अधिक खामोश होने लगते हैं।

कई चीजें उनकी आंखों के सामने से गुजरती हैं, वे आंखें उसे स्वीकार नहीं करतीं, पर पिता के सामने उसे स्वीकार ने की विवशता भी होती है। एक अनजाना-सा संवाद उनके भीतर ही उमड़ता-घुमड़ता रहता है, जिसे वे शब्द देना चाहते हैं। मगर, वे शब्द होठों तक आते-आते रह जाते हैं।

जिसने भी माता-पिता की मासूमियत को पहचान लिया, वह उतना ही अधिक भाग्यशाली होता है। माता-पिता कभी भी अपने बच्चों को यह नहीं बताते कि उन्होंने उसके लिए क्या-क्या किया। इसे बच्चा ही अगर ठीक से समझे, तो बेहतर होता है। जो संतान अपने माता-पिता की मासूमियत को जानती है, वह अपने जीवन में कभी विफल नहीं हो सकती। उसके जीवन की चुनौतियों के आगे उसके माता-पिता का संघर्ष, समर्पण और त्याग होता है। धीरे-धीरे बड़ा होता बच्चा उनके इस संघर्ष का मौन साक्षी होता है।

वेट लॉस ही नहीं डिप्रेशन से भी छुटकारा दिला सकता है चीकू

आलू की तरह दिखने वाला फल चीकू सपोटा के नाम से भी जाना जाता है। चीकू में विटामिन-बी, विटामिन ई, पोटैशियम,फाइबर और मिनरल आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो शरीर को कई बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। चीकू खाने से त्वचा, दिमाग और पाचन अच्छा रहता है। चीकू खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है। चीकू का हर भाग स्वास्थ्य लाभों से भरा है इसके पत्ते, जड़ और छाल को औषधी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं चीकू खाने से व्यक्ति को मिलते हैं कौन से गजब के फायदे।

हड्डियां बनाए रखे मजबूत

चीकू में कैल्शियम, आयरन और फास्फोरस भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर की हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है। चीकू का रोजाना सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है। चीकू खाने से बुढ़ापे की वजह से होने वाली कमजोर हड्डियों को ठीक करने में भी मदद मिलती है।

डिप्रेशन में राहत

चीकू दिमाग को सेहतमंद बनाए रखने के साथ नींद न आने की समस्या को भी दूर करता है। चीकू का सेवन करने से गहरी और अच्छी नींद आती है। चीकू में मौजूद तत्व दिमाग में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं चीकू का सेवन डिप्रेशन को दूर करने के लिए भी किया जा सकता है।

एनर्जी

चीकू को एनर्जी का अच्छा सोर्स माना जाता है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को एनर्जी देने का काम करते हैं।
जिन लोगों को एनर्जी की कमी महसूस होती है उनके लिए चीकू का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

वेट लॉस

चीकू शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होता और वेट लॉस में मिलती है। चीकू को दिन में किसी भी समय खाया जा सकता है। ये शरीर को तुरंत एनर्जी देने के साथ शरीर को मजबूत भी बनाता है।

कई सेहत गुणों से भरपूर हैं हरी मिर्च

भोजन का स्वाद बढ़ाने और खाने में तीखापन लाने के लिए हरी मिर्च का उपयोग किया जाता है। अधिकतर लोग इसे अलग से खाने के साथ लेकर खाना भी पसंद करते है। लेकिन क्या आप जानते हैं हरी मिर्च कई सेहत गुणों से भरपूर है। यह आपके स्वास्थ्य को बेहतर और आपको सेहतमंद बनाएं रखने में मदद करती है।

हम आपको बता दें, कि हरी मिर्च कई तरह के पोषक तत्वों जैसे- विटामिन ए, बी6, सी, आयरन, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है। यही नहीं इसमें बीटा कैरोटीन, क्रीप्टोक्सान्थिन, लुटेन -जॅक्सन्थिन आदि स्वास्थ्यवर्धक चीजें मौजूद हैं।

- रक्तचाप को नियंत्रित करने में हरी मिर्च काफी फयदेमंद होती है। मधुमेह होने की स्थिति में भी हरी मिर्च में रक्तचाप का स्तर नियंत्रित रखने के गुण होते हैं।
- हरी मिर्च में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं जो किसी भी प्रकार के संक्रमण से शरीर और त्वचा की रक्षा करते हैं। यह त्वचा के लिए एंटी इंफ्लेमेटरी मेडिसिन की तरह काम करती है।
- हरी मिर्च में भरपूर मात्रा में विटामिन-सी होता है, जो रोगों के लड़ने की क्षमता में वृद्धि कर हमारी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। हरी मिर्च खाने के बाद आपकी बंद नाक का खुल जाना भी इसी का एक उदाहरण है।
- कैंसर से लड़ने और शरीर को सुरक्षित रखने के लिए भी हरी मिर्च फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की आंतरिक सफाई के साथ ही फ्री रेडिकल से बचाकर कैंसर के खतरे को कम करती है।
- इसके सेवन से फेफड़ों के कैंसर का खतरा भी कम होता है। अतः धूम्रपान का सेवन करने वालों को हरी मिर्च को अपने भोजन में ज्यादा शामिल करना चाहिए, क्योंकि उन्हें फेफड़ों के कैंसर का खतरा सबसे ज्यादा होता है।
- हरी मिर्च को मूड बूस्टर के रूप में भी जाना जाता है। यह मस्तिष्क में एंडोर्फिन का संचार करती है जिससे हमारा मूड काफी हद तक खुशनुमा रहने में मदद मिलती है।
- वजन घटाने में हरी मिर्च आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। इसका प्रमुख कारण है, कि हरी मिर्च में कैलोरी बिल्कुल भी नहीं होती। इसके प्रयोग से आप पोषक तत्वों को तो ग्रहण करते हैं, लेकिन शरीर को कैलोरी नहीं मिलती।
- विटामिन-ई से भरपूर हरी मिर्च हरी आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होती है। यह आपकी त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के साथ ही कसाव लाती है, जिससे त्वचा जवां और खूबसूरत दिखाई देती है।
- हरी मिर्च पुरूषों में प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम करती है। वैज्ञानिक द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार हरी मिर्च खाने से प्रोस्टेट की समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाती है।
- दिल के लिए भी हरी मिर्च काफी फायदेमंद होती है। एक शोध के अनुसार हरी मिर्च से हृदय से संबंधित सारी बीमारियां ठीक हो जाती हैं। इस से रक्त में थक्कों की समस्या ठीक हो जाती है।

उम्र बढ़ते ही क्यों होती है पेट में सूजन और भारीपन की समस्या

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है वैसे-वैसे शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। चेहरे पर झुर्रियां, सफेद बाल, त्वचा का मुरझाना जैसे बढ़ती उम्र के आम लक्षण हैं। इसी के साथ-साथ लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी होने लगती हैं। उम्र के एक पढ़ाव पर लोगों को मोतियाबिंद, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, गर्दन दर्द, मधुमेह सहित न जाने कितने ही विकारों का सामना करना पड़ता है। वृद्धावस्था में लोगों की सेहत को प्रभावित करने वाली हेल्थ कंडीशन की एक लंबी लिस्ट में ब्लोटिंग यानी पेट फूलना की भी एक बड़ी समस्या है। आमा भाषा में इसे इसे पेट की सूजन भी कहते हैं। पेट की सूजन को गेस्ट्राइटिस भी कहते हैं और इसके कई बार कोई लक्षण दिखाई नहीं देते लेकिन महसूस होते हैं। यहां हम आपको इस विकार के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

ब्लोटिंग का क्या कारण है?

आमतौर पर सभी एज ग्रुप के लोग समय-समय पर अपने पेट को फूला हुआ महसूस करते हैं। लेकिन एक उम्र के साथ ये समस्या बार-बार होने लगती है। पेट में सूजन तब होती है जब गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट हवा या कहें गैस से भर जाता है। यही गैस हमारे पेट को भरा हुआ, तंग या सूजा हुआ महसूस कराती है। अत्यधिक पेट फूलना और पेट में गड़गड़ाहट सूजन के कुछ अन्य सामान्य लक्षण हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनके बारे में यहां जिक्र है। वृद्ध लोगों के मामलों में इन्हीं फैक्टर्स के कारण बार-बार सूजन होती है। कुछ विशिष्ट फलों और सब्जियों में फाइबर की मात्रा काफी अधिक होती है जिसे पचा पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। पेट में फाइबर को पचाने में थोड़ी मुश्किल होती थी, जिससे अक्सर पेट फूलने या सूजन की समस्या हो जाती है। यही वजह है कि वृद्ध लोगों के लिए ठीक से पका हुआ हल्के भोजन करने की सलाह दी जाती है, जिसे वे आसानी से निगल सकें। यदि ये समस्या गंभीर है तो उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए जो अक्सर सूजन का कारण बनते हैं।

दूसरी हेल्थ कंडीशन्स

कुछ अन्य स्वस्थ्य स्थितियां जो ज्यादातर बुढ़ापे में उभरती हैं, जो सूजन और बैचेनी का कारण बन सकती हैं।

- इरिटेबल बॉएल सिंड्रोम
- सीलिएक रोग • क्रोहन रोग
- गैस्ट्रोएसोफेगल प्रतिवाह रोग
- पेट दर्द • बड़ी आंत में सूजन
- इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज • मधुमेह

पेट के एसिड में कमी

उम्र बढ़ने के साथ ही पेट में भोजन पचाने वाले एसिड की भी कमी हो जाती है जिससे बुजुर्गों का पेट फूलने लगता है। बता दें कि बुजुर्गों में उम्र बढ़ने के साथ ही फूड को डाइजेस्ट करने वाले एसिड पेप्सिन का उत्पादन लगभग 40 प्रतिशत कम हो जाता है। पेप्सिन की कमी से शरीर के लिए प्रोटीन को तोड़ना मुश्किल हो जाता है, जिससे लोग फूला हुआ महसूस करते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए लोगों को प्रोटीन के एनिमल बेस्ड सोर्स का सेवन कम करना चाहिए।

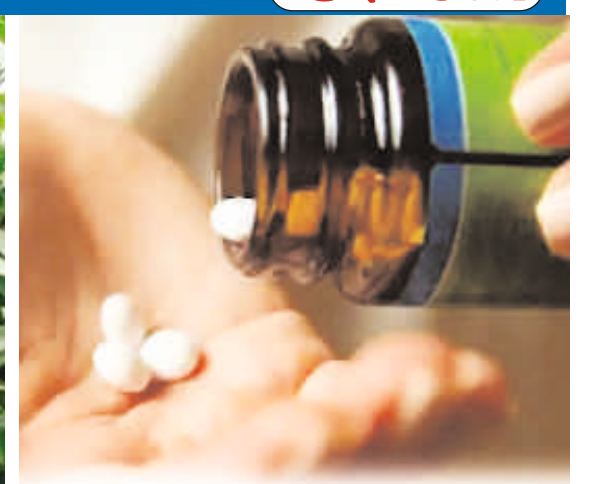

दवाओं के असर को कम कर देती हैं ये चीजें

दवा लिखते समय डॉक्टर हमेशा उसे खाने के तरीके से लेकर समय तक के बारे में सलाह देते हैं। बावजूद इसके कई बार व्यक्ति अनजाने में दवा के साथ कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर लेता है, जो उसे फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने लगती हैं। दवा के साथ इन चीजों का सेवन शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डालने लगता है। कोई भी दवा लेते समय उसके साथ जुड़ी कुछ सावधानियां भी रखनी जरूरी हैं। खान-पान की कुछ चीजें दवाओं के असर को कम कर देती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कुछ ऐसी खास चीजों के बारे में जिन्हें दवा के साथ लेने की गलती भूलकर भी नहीं करनी चाहिए।

डेयरी प्रोडक्ट्स

डेयरी प्रोडक्ट आपके शरीर में कुछ एंटीबायोटिक दवाओं का असर ठीक से नहीं होने देते हैं। दूध में पाए जाने वाले कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स केसीन प्रोटीन के साथ मिलकर दवाइयों के असर को कम कर देते हैं। अगर आप एंटीबायोटिक ले रहे हैं तो उस समय दूध ना पिएं।

पोटेशियम से भरपूर फूड्स

ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए ली जाने वाली दवा, शरीर को आवश्यकता से अधिक पोटेशियम बनाए रखने में मदद कर सकती है। शरीर में किसी भी चीज की अधिकता हानिकारक होती है, पोटैशियम की अधिकता से हृदय और रक्त प्रवाह में समस्या हो सकती है। कुछ अन्य पोटेशियम वाले फूड्स जिनसे आपको बचना चाहिए वे हैं आलू, मशरूम, शकरकंद, आलू आदि।

मुलेठी

मुलेठी का इस्तेमाल कुछ लोग पाचन के लिए हर्बल उपचार के तौर पर करते हैं। इसमें पाया जाने वाला ग्लाइसीरिजिजिन साइक्लोस्पोरिन सहित कुछ दवाओं के असर को कम कर देता है। इसके अलावा, अगर आप ट्रांसप्लांट कराने की कोई दवा ले रहे हैं तो भी मुलेठी का सेवन ना करें।

पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों के रूप में भी पहचाना जाता है, कुछ दवाओं के अवशोषण और प्रभावशीलता को बाधित कर सकती हैं। केल, ब्रोकली आदि जैसी सब्जियां विटामिन के का एक बड़ा स्रोत हैं। विटामिन के का अधिक सेवन वार्फरिन जैसी दवाओं के प्रभाव में बाधा डाल सकता है। वारफेरिन का सेवन अक्सर ब्लीडिंग, रक्त के थक्कों या अन्य रक्त संबंधी विकारों के जोखिम को कम करने के लिए किया जाता है।

शराब

दवा के साथ शराब का सेवन आपकी दवा के असर को कम करने के साथ आपकी सेहत पर भी बुरा असर डाल सकता है। एक अवधि में शराब और दवा का एक साथ सेवन करने से लीवर को काफी नुकसान हो सकता है और इससे लीवर से संबंधित अन्य विकार पैदा हो सकते हैं।

सिगरेट

धूम्रपान फेफड़ों और शरीर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान आपको बीमारियों के प्रति संवेदनशील बनाकर आपकी इम्यूनिटी को भी कमजोर कर सकता धूम्रपान आपके द्वारा ली जा रही दवा के अवशोषण, वितरण और प्रभाव में बाधा उत्पन्न कर सकता है।

एनर्जी ड्रिंक्स

एनर्जी ड्रिंक्स के साथ भी दवाई नहीं खानी चाहिए. यह दवाई के डिजॉल्व होने के टाइम को बढ़ाता है। साथ ही इससे आपकी बॉडी पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

पोषक तत्वों के पावरहाउस हैं चिया सीड्स

चिया सीड्स पोषक तत्वों के पावरहाउस हैं। ये बीज भरपूर मात्रा में फाइबर, प्रोटीन और दिल के लिए हेल्दी पॉलीअनसेचुरेटेड वसा से भरपूर होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने के साथ आपको हेल्दी रखते हैं। इसके अलावा, इन सुपर सीड्स को वेट लॉस के लिए भी बहुत अच्छा माना जाता है। इसे कैसे यूज करना है, आपको इसके बारे में कुछ बातें जरूर जान लेनी चाहिए।

चिया सीड्स के पोषक तत्व

100 ग्राम चिया सीड्स में 16.5 ग्राम प्रोटीन, 42.1 ग्राम कार्ब्स, 34.3 ग्राम फाइबर, 30.7 ग्राम फैट और 0 शुगर होता है। उच्च प्रोटीन, उच्च फाइबर पोषण संयोजन वजन घटाने के लिए इसे बहुत अच्छा बनाता है। जबकि को एक्टिव रखने के साथ चिया सीड्स खाने से पेट भरा-भरा भी लगता है।

चिया सीड्स के साथ वेट लॉस

चिया बीज प्रति 100 ग्राम में 486 ग्राम कैलोरी होती है। कैलोरी वह इकाई है जो ऊर्जा को मापती है, जो शरीर के स्वस्थ कामकाज के लिए आवश्यक है। आसान शब्दों में, यह वह ऊर्जा है जो लोग अपने खाने-पीने के लिए प्राप्त करते हैं, जिसका उपयोग वे शारीरिक गतिविधियों को करने के लिए करते हैं। इसके अलावा वेट मैनेंजमेंट में भी चिया सीड्स बहुत फायदेमंद है। जो लोग जरूरत से ज्यादा कैलोरी का सेवन करते हैं, उनका वजन बढ़ सकता है, क्योंकि शरीर में एक्सट्रा कैलोरी को बर्न करना इतना आसान नहीं होता है।

चिया सीड्स के फायदे

चिया सीड्स हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है। चिया सीड्स में क्लोरोजेनिक एसिड नामक एक एंटीऑक्सीडेंट यौगिक हाई ब्लड प्रेशर को कम कस्ने में मदद कर सकता है। सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें अल्फा-लिनोलेनिक एसिड नामक एक ओमेगा -3 फैटी एसिड होता है, जो आपकी दिल की हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है जिन लोगों का शुगर लेवल हाई रहता है, उन्हें भी चिया सीड्स भी इस्तेमाल करना चाहिए। चिया सीड्स में मौजूद फैटी एसिड त्वचा की जलन से राहत दिलाने में मदद कर सकता है और पानी पीने से त्वचा में नमी बनी रहती है। चिया सीड्स को हमेशा पानी में भिगाकर ही इस्तेमाल करना चाहिए।

एलर्जिक तत्वों से बनाएं दूरी

हम में से कुछ को किसी भी चीज से एलर्जी नहीं होती, जबकि कुछ लोगों को बहुत ही नॉर्मल चीजों से भी एलर्जी हो जाती है। असल में एलर्जी हमारे इम्यून सिस्टम का नुकसान न पहुंचाने वाली चीजों की तरह एब्नॉर्मल रिएक्शन है। आप जो कुछ भी खाते हैं या अप्लाई करते हैं, यह उसका रिएक्शन भी हो सकता है। आमतौर पर मोल्ड, पॉलन या जानवरों की वजह से यह एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है। सांस लेने या खाने के दौरान इनसे हमारा एक्सपोजर होता है। आंखों से पानी आना या इनमें खुजली होना, छींकें आना, नाक बहना, रैशेज, रेड पैचेज के साथ रैशेज, थकान या बीमार महसूस करना वगैरह एलर्जी के सामान्य लक्षण हैं। गंभीर एलर्जिक रिएक्शन पूरी बॉडी में इचिंग, सांस फूलना, गले में कसाव महसूस होना, हाथों और पैरों में सिहरन वगैरह हैं।

दूसरी, एलर्जी रिएक्शंस हैं

फूड एलर्जी - खाने की कुछ चीजों से एलर्जिक रिएक्शन के कारण पेट में दर्द, उलटी या डायरिया की शिकायत हो सकती है। कीड़े का काटना-मधुमक्खी या किसी और कीड़े के डंक से सूजन, रेडनेस या दर्द हो सकता है।

कॉमन एलर्जी

वैकसीन, पेनिसिलीन और एस्पिरीन जैसी दवाइयां, कुछ खास तरह की मछलियां, धूल, पॉलन, पीनट्स, कीड़े के काटने, छोटी चोट, हॉट या कोल्ड टेम्परेचर, एक्सरसाइज या खास तरह के इमोशन से भी एलर्जी हो सकती है। एलर्जी के कारणों में दूध, नट्स, वीट और एग्स सबसे कॉमन हैं।

आपको हो सकती है एलर्जी...

वैसे, एलर्जी किसी भी उम्र में हो सकती है, लेकिन बच्चों में यह कॉमन है। आपके परिवार में अगर किसी को एलर्जी है, तो यह आपको भी हो सकती है। वैसे, यह भी हो सकता है कि आपके पैरेंट्स को एलर्जी हो, लेकिन आप इसके शिकार न हों। आपके आसपास का माहौल भी इसके लिए काफी हद तक जिम्मेवार है। कई बार स्मोक, पलूशन, हार्मोंस वगैरह में घर के पर्दे, चद्दर वगैरह बदल डालें।

जूनियर एनटीआर ने शुरू की 'वॉर 2' की डबिंग

सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म 'वॉर 2' की डबिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सामने आए एक वीडियो में एनटीआर सीढ़ियों से उतरते और जूते उतारकर डबिंग स्टूडियो में प्रवेश करते नजर आए। 'वॉर 2' में जूनियर एनटीआर के साथ अभिनेता ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही

फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है, जो 14 अगस्त को सिनेमाघरों में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगू भाषाओं में रिलीज होगी। अभिनेता एनटीआर ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया था कि इस फिल्म में उनका किरदार बेहद खास है। उन्होंने कहा, एक अभिनेता के लिए इतना प्यार मिलना सौभाग्य की बात है। 'वॉर 2' के लिए मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से मैं बेहद उत्साहित और खुश हूं। जब आप अपने रोल में इतनी मेहनत और पैशन डालते हैं, तो ऐसी प्रतिक्रिया देखना और भी रोमांचक होता है। अभिनेता का मानना है कि यह फिल्म उन्हें पूरी तरह नए अंदाज में पेश करती है, जिसे निभाने में उन्हें बहुत मजा आया और बहुत कुछ नया सीखने को मिला। अभिनेता ने उन दर्शकों के लिए भी यह फिल्म खास बताया, जो बड़े पर्दे पर अच्छी कहानी और शानदार सितारों को नए अंदाज में देखना पसंद करते हैं। अयान मुखर्जी ने अपनी फिल्म वॉर 2 के बारे में बताया कि आखिर किस चीज ने उन्हें फिल्म के लिए सबसे ज्यादा प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि वह फिल्म की दमदार कहानी और ऋतिक रोशन और एनटीआर की शानदार एक्टिंग से काफी प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में दर्शकों के लिए बहुत कुछ है। इस फिल्म की सबसे खास बात इसकी दमदार कहानी है।

जब सलमान सर मेरे सामने होते हैं तो मैं बोलना बंद कर देती हूं

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने इंडस्ट्री में अपने लिए एक अलग रास्ता बना रही हैं। पलक ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि, शायद कइयों को नहीं पता कि उन्होंने फिल्म अंतिम के सेट पर बतौर असिस्टेंट काम किया था। पलक ने सेट पर रहकर काफी कुछ सीखा, जिसमें सलमान खान थे। पलक ने हालिया बातचीत में सलमान से फीस और उन्हें लेकर अपनी दीवानगी की बातें कही हैं। उन्होंने मैशेबल इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा, पैसा क्या होता है? मैं सलमान सर के प्रजेंस में हूं, आपको लगता है कि मैं पैसे मांगूंगी? क्यों, मैंने कभी पैसे नहीं मांगे, कभी नहीं! आप मांग सकते हैं, सलमान सर कहेंगे- ज़रूर। लेकिन मैं क्या बच्ची...मैं क्या ही कॉन्ट्रिब्यूट करूंगी कि वो मुझे पैसे दे यार।

जब सलमान मेरे सामने होते हैं तो मैं बोलना बंद कर देती हूं

पलक ने इस बातचीत में बताया कि वो किस कदर उनकी दीवानी हैं। पलक ने कहा, मैंने उनके साथ एक पूरी फिल्म की है, जब भी मैं उनसे आज तक मिलती हूं या यहां तक कि अगर मुझे उनका कोई मेसेज भी मिलता है तो मैं बिल्कुल दीवानी हो जाती हूं। मैं आमतौर पर स्टार-स्ट्रक नहीं होती, चाहे आप किसी को भी मेरे सामने बैठा सकते हैं। लेकिन जब वह मेरे सामने होते हैं तो मैं बोलना बंद कर देती हूं और हकलाना शुरू कर देती हूं। उन्होंने मेरी पूरी शख्सियत ही बदल दी। फिर वो कहेंगे- आराम से बोलो, बिना झिझक के।

सलमान सर के साथ तीन महीने तक रहने के लिए पैसे

पलक तिवारी ने आगे कहा, मैं सलमान सर की बहुत बड़ी फैन हूं। मैं अब इसे कोई सीक्रेट नहीं रखूंगी। लेकिन हर कोई जानता है कि मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। फिल्म किसी का भाई किसी की जान में एक छोटी सी भूमिका से अपनी शुरुआत करने को लेकर बातें करते हुए पलक ने कहा, मुझे सलमान सर के साथ तीन महीने तक रहने के लिए पैसे मिलते हैं तो मैं कर रही हूं। यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव था। मैंने बहुत कुछ सीखा। मैंने बहुत अच्छे दोस्त बनाए। यह इंडस्ट्री में एक बहुत अच्छी शुरुआत थी मेरे लिए।

सलमान सर हमें वहां जिम करवाते और मिठाई खिलाते थे

सलमान सेट पर सभी को कैसे लाड़-प्यार करते थे और उन्हें अपने घर से आया खाना खिलाते थे, इस बारे में भी बात करते हुए पलक ने कहा हम वहां आराम करते थे। वह हमें वहां जिम करवाते थे और मिठाई खिलाते थे। वह खुद को रोक कर नहीं रखते। वह डाइट में यकीन नहीं करते, इसलिए उनका शरीर इतना अच्छा है।

वह मेरे सबसे फेवरेट हैं

हालांकि, अब वह रोजाना उनसे सम्पर्क में नहीं रहती हैं, लेकिन उन्हें पता है कि वह हमेशा सबके लिए मौजूद रहते हैं। पलक ने कहा, वह मेरे सबसे फेवरेट हैं, वो मेरे लिए आइडल हैं। सलमान सर सलमान सर हैं। अगर उन्हें आपसे कुछ कहना है तो वह आपसे कहेंगे। सलमान सर एक देवता की तरह हैं, जो सभी का ख्याल रखते हैं। वह बहुत दयालु भी हैं। उन्हें पता है कि आप किस दौर से गुज़र रहे हैं, इसलिए वह आपसे पूछेंगे- क्या आप ठीक हैं? जब भी वह आपसे यह पूछें तो बस ये जान लें कि वह आपके लिए मौजूद हैं।

कोंकणा सेन के साथ अफेयर की खबरों पर अमोल पाराशर ने दी प्रतिक्रिया

हाल ही में वेब सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' में नजर आए अभिनेता अमोल पाराशर इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। अमोल पाराशर का नाम अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभी तक दोनों की ओर से इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। लेकिन दोनों को कुछ एक मौकों पर साथ देखा गया, जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं लगातार बॉलीवुड के गलियारों में घूम रही हैं। अब कोंकणा सेन शर्मा के साथ अपने रिलेशनशिप की खबरों पर पहली बार अमोल पाराशर ने प्रतिक्रिया दी है।

मैं खुद सोशल मीडिया पर शेयर करूंगा

हिंदुस्तान टाइम्स से बात के दौरान अमोल पाराशर ने अपने अफेयर की खबरों पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए कहा, किसी ने मुझसे नहीं पूछा। बल्कि सभी ने अपने कयास लगाने शुरू कर दिए। पहले मैं हर खबर पर रिएक्शन देता था, लेकिन अब मैंने आगे बढ़ना सीख लिया है। अगर कुछ होगा और मुझे शेयर करना होगा, तो मैं इसे खुद सोशल मीडिया पर शेयर करूंगा। आपकी जिंदगी में लोग हैं। किसी से आप करीब होते हैं और किसी से आप ज्यादा करीब होते हैं। हर रिश्ते को नाम देना जरूरी नहीं है। आप खुश, सामने वाला खुश और घरवाले खुश, बस इतना ही काफी है।

मुझे खुद को सरप्राइज करना पसंद है

कोंकणा के साथ डेटिंग की अफवाहों के बीच अपनी शादी की योजना के बारे में बात करते हुए अमोल ने कहा, पहले मां मुझ पर दबाव डालती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। कुछ भी हो सकता है। मुझे खुद को सरप्राइज करना पसंद है और मेरा परिवार यह जानता है। अगर शादी होगी, तो मैं भी इसे इंस्टा पर पोस्ट करूंगा, क्योंकि यह सभी के लिए मायने रखता है। लेकिन अभी तक, मेरे पास बात करने के लिए कुछ नहीं है।

47 साल की दिव्या दत्ता ने बताई शादी ना करने की वजह

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई एक्टर्स हैं, जिन्होंने अपने जीवन में अब तक शादी नहीं की है, उसी कड़ी में दिग्गज अभिनेत्री दिव्या दत्ता का भी नाम आता है। अब उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने पर्सनल और प्रोफेशन लाइफ के बारे में बात की है, जिसमें उन्होंने खुद के सिंगल रहने को लेकर भी विचार प्रकट किए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने हाल ही में हिंदी रश के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। बातचीत के दौरान एक्ट्रेस से अभी तक शादी ना करने के पीछे का कारण पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने बताया, मुझे लगता है कि जब तक आपको आपके मन का पार्टनर ना मिले, तब तक शादी नहीं करनी चाहिए। गलत व्यक्ति से शादी करने से बेहतर है आप खुद का ख्याल स्वयं रखें। मुझ पर बहुत से पुरुष आकर्षित होते हैं, लेकिन रिश्ता तब बनता है, जब आप किसी से दिल से जुड़ते हैं।

मैं शादी नहीं करना चाहती

आगे बातचीत में उन्होंने कहा, मैं शादी नहीं करना चाहती, लेकिन मुझे एक साथी चाहिए जिसके साथ मैं यात्रा कर सकूं। अगर नहीं, तो भी मैं खुश हूं। मेरे एक दोस्त ने मुझसे पूछा कि तुम सिंगल क्यों हो? इसके जवाब में मैंने कहा कहा, मुझे लगता है कि मैं बहुत योग्य हूं। एक समय आता है जब आप पूर्णता की तलाश बाहर करते हैं, जो आवश्यक नहीं है। यह आवश्यक नहीं है कि आप तभी कंप्लीट होंगे जब एक अच्छा साथी आपके जीवन में आएगा। मुझे यह गलतफहमी थी। मैं अपने दिल की बात खुलकर कहती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।'अगर दिव्या दत्ता के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार छावा फिल्म में देखा गया था। लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई थी। वहीं अभिनेत्री की आगामी फिल्म की बात करें तो वह अर्जुन रामपाल के साथ नास्तिक में नजर आएंगी।

करण जौहर ने बताया कैसे हुई कार्तिक आर्यन से सुलह

पॉपुलर फिल्ममेकर करण जौहर और कार्तिक आर्यन के बीच मतभेद दूर हो चुके हैं। हालांकि, एक समय ऐसा भी था जब करण जौहर ने कार्तिक को फिल्म दोस्ताना 2 से निकाल दिया था। साथ ही कहा था कि वो कभी साथ काम नहीं करेंगे। इस झगड़े के सालों बाद अब कार्तिक और करण जौहर फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और नागजिला में साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में हर किसी का सवाल था कि एक बड़े झगड़े के बाद दोनों की सुलह कैसे हुई। ऐसे सभी सवालों पर करण जौहर ने पहली बार खुलकर बात की है। हाल ही में बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में करण जौहर से कहा गया कि उन्हें और कार्तिक को साथ काम करते देख सरप्राइज मिला। ये कैसे हुआ। जवाब में करण जौहर ने कहा, मुझे लगता है कि हमने इंटरनली चर्चा की और इसे सुलझाया। हमने जो बातें हुई उसे भुला दिया। कार्तिक बेहद हार्डवर्किंग है। आज के समय में वो बेहद कनेक्टिव स्टार है, जिसकी बड़ी ऑडियंस है और उसे स्क्रीनप्ले की अच्छी समझ है। हम मिले, कोलेबोरेट किया, साथ काम करने का फैसला किया। आगे करण जौहर ने कहा, सब ठीक है। उसके और मेरे, हमारे एक-दूसरे से कुछ इशू थे, लेकिन ये इंडस्ट्री बहुत छोटी है, जिसे मैं परिवार कहता हूं। और मुझे ऐसा लगता है कि परिवार में कभी-कभी गिले-शिकवे हो जाते हैं। आखिर में अच्छे लोग एक अच्छी फिल्म बनाना चाहते हैं और साथ मिलकर अच्छा कंटेंट बनाना चाहते हैं। जैसा मैंने कहा, ज्यादा बातों पर ध्यान मत दो। हमारे पास देखने के लिए बड़ा विजन है।

क्यों हुआ था झगड़ा?

दरअसल, कार्तिक आर्यन, करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 का हिस्सा थे। फिल्म की 20 दिनों की शूटिंग भी हो चुकी थी, लेकिन फिर अचानक धर्मा प्रोडक्शन ने अनाउंस कर दिया कि कार्तिक को फिल्म से हटाया जा रहा है। करण ने कार्तिक को फिल्म से निकालने पर कहा था कि वो अनप्रोफेशनल हैं और मनमाने ढंग से फीस बढ़ा रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शंस की तरफ से सूत्रों ने बताया था कि कार्तिक आर्यन तारीखें नहीं दे रहे थे और स्क्रिप्?ट में कमियां भी निकाल रहे थे। विवादों के बीच करण के करीबी सूत्रों ने मीडिया इंटरव्यू में बताया था कि करण ने कार्तिक के साथ कभी काम न करने का फैसला किया है।

कार्तिक ने कहा था- मिस कम्युनिकेशन था

2024 में कार्तिक आर्यन ने पहली बार दोस्ताना 2 के अचानक बंद होने पर खुलकर बात की थी। लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में कार्तिक ने कहा था, देखिए, वो बहुत पुरानी बात हो गई है। कई बार बहुत मिस कम्युनिकेशन हो जाता है और कई चीजें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जाती हैं। जब वो लिखा जाता है, तो कुछ और ही लगने लगता है। कार्तिक ने ये भी कहा था, मैं तब भी चुप था और अब भी चुप हूं उन बातों पर। मैं बस 100 प्रतिशत काम करता हूं। जब भी ऐसी कोई खबर आती है या कोई कॉन्ट्रोवर्सी होती है, तो मैं अपने शेल में चला जाता हूं। मैं शांत रहता हूं। मैं इन चीजों में ज्यादा घुसता नहीं हूं, और ना ही कुछ साबित करने की जरूरत महसूस करता हूं।

सड़कहादसा: सिकंदरा में कारकी टक्करसे 2 बाइकसवारों की मौत, परिजनों ने शव उठाने से किया इनकार

दौसा। जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र में दौसा-लालसोट रोड पर शेखपुरा मोड़ के पास बुधवार रात एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। इस घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने गुरुवार सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और पहले टक्कर मारने वाले वाहन को जब्त करने की मांग की।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा बुधवार रात उस समय हुआ जब गढ़ गांव निवासी अनिल (19) और जतिन महावर (15) अपनी बाइक पर गढ़ से सामान लेने के लिए सराय की ओर जा रहे थे। रास्ते में शेखपुरा मोड़ के पास एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अनिल और जतिन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक पर सवार तीसरा व्यक्ति हेमराज महावर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक अनिल और जतिन दोनों कलर-पेंट का काम करते थे। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गुरुवार सुबह जब शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया, तो मृतकों के परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से साफ इनकार कर दिया।

उनका कहना था कि जब तक टक्कर मारने वाले वाहन को जब्त नहीं किया जाता, तब तक वे पोस्टमार्टम नहीं करवाएंगे। इस मांग पर पुलिस और परिजनों के बीच गतिरोध बना हुआ है। पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े हुए हैं।

साइबरअपराधों परपुलिस का शिकंजा, गांव-गांव में चलाया जा रहा जन-जागरूकता अभियान

कोटपूतली-बहरोड़। उप-महानिरीक्षक पुलिस सह-जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के निर्देशानुसार जिलेभर में साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। अभियान के तहत थाना सरुण्ड और थाना पनियाला पुलिस टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में ग्रामीणों, स्कूली छात्रों, व्यापारियों और महिलाओं से संवाद कर उन्हें साइबर सुरक्षा संबंधी जरूरी जानकारियाँ दीं। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने बताया कि कैसे अनजान कॉल्स, ओटीपी धोखाधड़ी, फर्जी मोबाइल एप्लिकेशन, इंस्टाग्राम/फेसबुक हैकिंग और लुभावने लॉटरी मैसेज के जरिए आमजन को शिकार बनाया जा रहा है। इसके साथ ही बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी कस्टमर केयर नंबर, क्यूआर कोड स्कैम, और फिशिंग मेल्स से बचने के लिए नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई। थानाधिकारियों ने बताया कि अधिकतर साइबर अपराध लालच, जल्दबाजी और जानकारी के अभाव के कारण होते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को अपने मोबाइल, सोशल मीडिया और बैंकिंग डिटेल्स को लेकर सावधान रहना चाहिए। इस मौके पर लोगों को राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और cyber-crime.gov.in पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई, जहाँ वे किसी भी साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। उपस्थित जनसमूह को ब्रोशर और पेम्फलेट भी वितरित किए गए, जिनमें सरल भाषा में साइबर सुरक्षा के टिप्स दिए गए थे। अभियान को स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। कई स्थानों पर इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किए गए, जिनमें लोगों ने खुलकर अपनी शंकाएँ रखीं और पुलिस अधिकारियों ने उनका समाधान किया। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि साइबर अपराध एक अदृश्य अपराध है, जिससे निपटने के लिए जन-जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। पुलिस का यह अभियान भविष्य में और अधिक गांवों और स्कूलों में भी चलाया जाएगा।

भगवान जगन्नाथ बलभद्र और सुभद्रा की जलयात्रा का आयोजन

हैदराबाद (एजन्सी),

जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ मंदिर शंकर बाजार बेगम बाजार में महंत अमृत दास खाकी जी के नेतृत्व में वेदपाठी ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार के साथ आज भगवान जगन्नाथ बलभद्र और सुभद्रा जी की जलयात्रा उत्सव में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया लोगों ने भगवान बुद्ध अवतार दर्शन किए भजन संध्या के साथ प्रसादी का आयोजन किया गया कार्यक्रम में महंत राहुल दास महंत अरूण दास महंत योगी प्रशांतदास "उप सचिव टी तुलसी कुमारी बंदोबस्ती धर्मस्व विभाग तेलगाना सरकार गोपाल दरक गोपाल राठी संजय तोतला गिरिराज मिश्रा बिहारी लाल यादव अनिल मूंदड़ा विजय कुमार तोतला शुभम तोतला रमेश यादव दीपक मिश्रा नीलेश मूंदड़ा राज मूंदड़ा केशव तोतला श्याम सुन्दर दायमा पुष्पेंद्र शुक्ला शत्रुध्न दायमा पुजारी श्रीकांत पुजारी श्याम शर्मा सूरज महराज महेश गौतम प्रेमराज एडवोकेट कमलेश द्विवेदी मनीष मनीष मलानी आनन्द पवन आज से 15 दिनो के लिए भगवान एकांतवास में रहेंगे 15 दिनो तक काढ़ा पिलाया जाएगा और 26 जून को भगवान पुनः भक्तों को दर्शन देंगे और 27जून को रथ यात्रा निकाली जाएगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ किसने कर दिया मानहानि का केस, सुनवाई की तारीख भी तय

नई दिल्ली (एजन्सी),

दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका मित्रा की ओर से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि शिकायत की सुनवाई के लिए 26 जून की तारीख तय की है। लिपिका मित्रा ने सीतारमण पर आरोप लगाया है कि वित्त मंत्री ने सोमनाथ भारती से उनके (लिपिका के) वैवाहिक विवाद को लेकर बयान दिए थे।

सीतारमण केवकील के अनुरोध पर सुनवाई स्थगित

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने सीतारमण के वकील के अनुरोध पर सुनवाई स्थगित कर दी। जस्टिस ने मित्रा के वकील को शिकायत की एक प्रति विपक्षी पक्ष को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। जस्टिस ने कहा कि आरोपी पक्ष द्वारा वकालतनामा (वकील की नियुक्ति से संबंधित दस्तावेज) दाखिल करने के लिए समय मांगा गया।

26 जून को होगी सुनवाई

जस्टिस ने यह भी कहा कि हालांकि समन विधिवत तामील हो गया है और इसकी पावती मिल गयी है। आरोपी पक्ष ने शिकायत की एक प्रति मांगी है। शिकायतकर्ता पक्ष कथित अपमानजनक सामग्री/साक्षात्कार के लिंक के साथ इसकी सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराने के लिए सहमत है। उन्होंने कहा कि मामले पर विचार के लिए 26 जून, 2025 की तारीख तय की जाए।

वित्त मंत्री पर क्या हैं आरोप?

सीतारमण पर 17 मई, 2024 को एक प्रेस वार्ता में भारती की प्रतिष्ठा को धूमिल करने और आम चुनावों में उनकी जीत की संभावनाओं को कमजोर करने के इरादे से 'अपमानजनक, झूठे और दुर्भावनापूर्ण बयान' देने का आरोप लगाया गया है।

सीरवी बॉलीबॉल प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों का ऑक्शन कार्यक्रम

बिलाड़ा (एजन्सी),

सीरवी नवयुवक मंडल परगना समिति बिलाड़ा के तत्वावधान में प्रथम सीरवी वॉलीबॉल प्रीमियर लीग के आगाज से पूर्व भव्य ऑक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, नवयुवक मंडल अध्यक्ष लोकेश चौधरी ने बताया कि स्थानीय श्री आईजी महिला महाविद्यालय बिलाड़ा में सीरवी प्रीमियर लीग ऑक्शन का आयोजन रखा गया जिसमे फ्रेंचाइजी ऑनर, टीम कोच एव खिलाड़ियों ने भाग लिया!

उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा वॉलीबॉल प्रीमियर लीग के लिए 8 फ्रेंचाइजी टीमो को आमंत्रित किया गया, प्रीमियर लीग में राजश्री पेट्रो सर्विसेज, नंदी इंटरप्राइजेज, एस. आर. राठौड़ प्रोपर्टीज, जय माताजी इलेक्ट्रॉनिक्स सैमसंग शो रूम, रोहिताश्व क्लब, रेडीसन पॉवर सॉल्यूशन, स्टाइल इन मेन्स वियर एव सीरवी एंटर प्राइजेज फ्रेंचाइजीज ने अपना भाग्य आजमाया, टीमो द्वारा नीलामी पॉइंट्स के आधार पर खिलाड़ियों को चुना गया, गणमान्य नागरिक एव नवयुवक मंडल टीम के युवा ऊर्जावान साथी उपस्थित रहे, आयोजन का सीधा प्रसारण भी किया गया, ऑक्शन में सर्वाधिक मनोहर पालावत ने 43 अंक, नेमाराम सीरवी ने 32 अंक जब कि मांगीलाल काग एवं सुमेर सीरवी 28 अंक की बोली के साथ सबसे महंगे बिके। ऑक्शन कार्यक्रम की शुरुवात प्रीमियर लीग कॉर्डिनेटर चेनाराम पालावत द्वारा फ्रेंचायजी ओनर्स को नियमावली समझाकर की गई, खिलाड़ियों की नीलामी के लिए एक खिलाड़ी के लिए अधिकतम 50 अंक एवं न्यूनतम 5 अंकों द्वारा चयन का प्रावधान रखा गया, प्रत्येक टीम में 12 खिलाड़ियों का चयन बोली लगाकर किया गया। संगठन खेल प्रभारी प्रेमसिंह बर्फा ने बताया कि प्रीमियर लीग का आयोजन 16 जून से 18 जून 2025 तक किया जाएगा, जिसमे 13 ग्राम इकाइयों के स्वजातीय खिलाड़ियों के साथ ही बाहरी परगना के प्रवासी खिलाड़ी भी भाग लेंगे, प्रीमियर लीग में महिला वर्ग की दो टीमो को प्रेमसिंह चोयल मेडिको एव प्रॉपर्टी डवलपर द्वारा स्पॉन्सर किया गया, प्रत्येक टीम में अधिकतम दो बाहरी खिलाड़ियों को सुपर सब या इम्पेक्ट प्लेयर के रूप में चुना जा सकेगा! सभी फ्रेंचाइजी टीमों के दो समूहों में लीग मैचों के आधार पर शीर्ष टीमों में से विजेता, उपविजेता चुना जाएगा ! कार्यक्रम के दौरान ही मुख्य अतिथि के रूप में पधारे नगरपालिका बिलाड़ा अध्यक्ष रूपसिंह परिहार ने संगठन द्वारा खिलाड़ियों के चयन को रोमांचक बनाने के लिए ऑक्शन प्रक्रिया की सराहना की तथा खिलाड़ियों द्वारा सामाजिक स्तर पर प्रीमियर लीग में अच्छे प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की, कार्यक्रम के अंत मे भाजपा मंडल अध्यक्ष माधव सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सहयोगी सदस्यो को धन्यवाद ज्ञापित किया उन्होंने इस आयोजन को खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का सुअवसर माना। खेल ऑक्शन कार्यक्रम का संचालन मनीष मुलेवा, धन्नाराम राठौड़ एव चंद्रसिंह राठौड़ ने किया, कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष देवीसिंह भींवराज, अशोक परिहार, ग्राम इकाई अध्यक्ष माधुसिंह लालावत ने विशिष्ट अतिथियो के रूप में शिरकत की! इस अवसर पर प्रदीप मुलेवा, राकेश सीरवी, नरेश मेरावत, जितेन्द्र मेरावत, राकेश, गजेंद्र हाम्बड़, विजय बर्फा , जगदीश बर्फा, शेषाराम राठौड़, श्रवण सीरवी, कमल चाँदावत सहित रतन पँवार, माधुसिंह सीरवी, चिमनप्रकाश पँवार, गोविन्द सिंह पँवार रोबड़ी, वीरेंद्र भींवराज, भूपेंद्र गारिया, होमेश्वर काग, डॉ रमेश राठौड़, एडवोकेट हीरालाल सीरवी, राजूराम सीरवी, बींजाराम , कानाराम, मदन मेरावत, प्रमोद सीरवी, कल्याण सीरवी, वीरेंद्र राठौड़, माधु सिंह सेपटा, प्रमोद, दिनेश सीरवी, नरेंद्र सीरवी सहित नवयुवक मंडल टीम के अनेक कार्यकर्ता, खिलाड़ी, वरिष्ठ सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

श्री सरस्वती शिशु मंदिर निम्बोलियाड्डा में गायत्री यज्ञम समारोह

हैदराबाद (एजन्सी),

सरस्वती शिशु मंदिर निम्बोलियाड्डा के परिसर में एक दिव्य और आध्यात्मिक वातावरण भर गया, जब हमने शुभ गायत्री यज्ञम मनाया। इस कार्यक्रम में हमारे समिति के सदस्यों एम. महेंद्र , दिलीप कुमार गरु, अमर कुमार सुर्वे , टी. सुशीला , किरण , डी.आर.एस. नरेंद्र , लिखिता , सुनील , प्रधानाध्यापिका श्रावंती , समिति के सदस्यों ने। भाषण में विद्यार्थियों के लिए जीवन के इस बारे में कहा है। शिक्षा का महत्व हम सभी के जीवन में अत्यधिक है। यह न केवल हमें ज्ञान देती है, बल्कि हमें एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करती है यह जीवन को संवारने का सबसे अच्छा तरीका है। आजकल की दुनिया में, शिक्षा का मतलब केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के हर पहलू में मदद करती है। शिक्षा केवल विद्यालय तक सीमित नहीं है। यह जीवन भर सीखने की प्रक्रिया है, जो हमें नए कौशल और ज्ञान से परिपूर्ण करती है। इसलिए, हमें अपनी शिक्षा का सही उपयोग करना चाहिए और अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी मेहनत से काम करना चाहिए।अभिभावकों और छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की।पवित्र मंत्रों और प्रसाद के साथ, यज्ञम ने एक शांत और सकारात्मक वातावरण बनाया, जिसने हमारे स्कूल की गतिविधियों की एक सुंदर शुरुआत की। हम इस पवित्र कार्यक्रम की सफलता में भाग लेने और योगदान देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देते हैं।

रंगारेड्डी जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान का सफलतापूर्वक समापन

हैदराबाद (एजन्सी),

विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) किसानों और आईसीएआर-सीआरआईडीए और केवीके, रंगा रेड्डी जिले की वैज्ञानिक टीम की सक्रिय भागीदारी से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।ये विशेषज्ञ जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए किसानों से सीधे जुड़े, जो दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक हैं। यह पहल किसानों के सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करने और ज्ञान साझा करने और सहयोगात्मक समस्या समाधान के लिए मंच बनाने पर केंद्रित है। आईसीएआर-सीआरआईडीए और कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), रंगा रेड्डी के वैज्ञानिकों ने किसानों के लिए कई प्रमुख कृषि पद्धतियों को कवर करते हुए एक जागरूकता सत्र आयोजित किया।उन्होंने कृषि गतिविधियों के लिए बैंक ऋण प्राप्त करने के महत्व को समझाया और बताया कि कैसे समय पर वित्तीय सहायता से कृषि उत्पादकता में सुधार हो सकता है। टीम ने प्रभावी कीट नियंत्रण और इष्टतम फसल वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा अनुशंसित कीटनाशकों और उर्वरकों के समय पर उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने डेयरी फार्मिंग में सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें गाय और भैंस प्रबंधन, चारा पद्धतियां और पशुधन स्वास्थ्य के लिए खनिज मिश्रण के लाभ शामिल हैं।समापन दिवस पर डॉ. केवी राव, प्रमुख - प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (डीआरएम) ने आधुनिक कृषि पद्धतियों के ज्ञान और जागरूकता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने में विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कुशल जल प्रबंधन, ड्रिप सिंचाई के लाभ और उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक कृषि प्रबंधन तकनीकों को अपनाने जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को उनके लाभ के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया, जिसमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और अन्य किसान कल्याण कार्यक्रम शामिल हैं। वर्तमान चुनौतियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कृषि श्रमिकों की घटती उपलब्धता पर बात की और दक्षता में सुधार के लिए मशीनीकरण के महत्व पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दीर्घकालिक कृषि और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया। संकेतिका के महत्व पर जोर दिया। परिगननम) को आधुनिक खेती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि उचित प्रौद्योगिकियों तक पहुंच और सब्सिडी योजनाओं के बारे में जागरूकता से किसानों को उत्पादकता में सुधार और इनपुट लागत कम करने में बहुत लाभ होता है। उन्होंने आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने और कृषक समुदाय की समग्र भलाई में योगदान देने में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ. आर. नागार्जुन कुमार नागार्जुन , प्रधान वैज्ञानिक और वैज्ञानिक डॉ. बी. प्रिया, और डॉ. भार्गवी, और डॉ. चंद्रकांत प्रमुख केवीके, डॉ. सुधीर, डॉ. श्रीकृष्ण, डॉ. दिलीप, डॉ. वीर गौतम चौहान (एसएमएस) केवीके-सीआरआईडीए के साथ-साथ चारा अनुसंधान के प्रभारी निदेशक डॉ. अंजू बसेरा, रत्नाकर सेवस्पुर्थी संगठन ने संयुक्त रूप से "विकसित कृषि संकल्प अभियान" अभियान के तहत किसानों को संबोधित किया। उन्होंने अभियान के उद्देश्यों को समझाया, जलवायु-लचीले और टिकाऊ कृषि प्रथाओं के बारे में जागरूकता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने पर इसके फोकस पर जोर दिया। टीम ने उत्पादकता बढ़ाने, पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने और कृषि आय में सुधार के लिए वैज्ञानिक तरीकों, सरकारी योजनाओं और नवीन तकनीकों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। सत्र का उद्देश्य अनुसंधान और क्षेत्र-स्तरीय कार्यान्वयन के बीच की खाई को पाटना था, जिससे कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को समर्थन मिल सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ कृषि विकास को प्राप्त करने के लिए गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुँच एक महत्वपूर्ण कारक है। किसानों को उचित बुवाई विधियों, बीज उपचार तकनीकों और क्षेत्र-विशिष्ट किस्मों को चुनने के महत्व के बारे में भी बताया गया जो उनके खेतों की मिट्टी और जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल हों। सभी वैज्ञानिकों ने खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास सुनिश्चित करने में कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला, साथ ही टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में वीकेएसए कार्यक्रम के उद्देश्यों और महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, जमीनी स्तर पर बेहतर फसल उत्पादकता और प्रौद्योगिकी अपनाने का समर्थन करने के लिए क्लस्टर फ्रंटलाइन डेमोस्ट्रेशन (सीएफएलडी) योजना के तहत 95 किसानों को गुणवत्ता वाले लाल चने और चारा फसल के बीज वितरित किए गए। रेगाडिडोसवाड़ा , मेट्टापंकल , तिरुमालापुर , मुधेमगुडा और थिम्मारेड्डीगुडा गांवों का दौरा किया । युवा पेशेवर श्री हरिकृष्ण और श्री साई कुमार ने कार्यक्रम में भाग लिया और कार्यक्रम का समर्थन किया। कुल मिलाकर, 1439 व्यक्ति कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में वीकेएसए गतिविधियों के 15वें दिन का सफल समापन किया गया, जिसमें कृषि अनुसंधान और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के बीच की खाई को पाटने के लिए केवीके और सीआरआईडीए की निरंतर प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

टाटा के शेयर पर एनालिस्ट चिंतित, दे दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर में आज गुरुवार को गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयर आज 1.5 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ 726.50 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए। शेयरों में इस गिरावट के पीछे कुछ निगेटिव खबर है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने पैसेंजर और कमर्शियल वाहन निर्माताओं पर अपने लेटेस्ट नोट में चेतावनी दी है कि टाटा मोटर्स लिमिटेड को चार निगेटिव जोखिमों का सामना

करना पड़ सकता है, जिसमें स्थानीय मुद्रा में मजबूती से लेकर अधिक छूट तक शामिल है। **क्या है डिटेल-** एचएसबीसी ने टाटा मोटर्स पर 770 के टारगेट प्राइस के साथ होल्ड करने की सिफारिश की है, जो सोमवार के समापन स्तर से 5 प्रतिशत की संभावित बढ़त दिखाता है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड में तेजी। स्टर्लिंग में हर 1 प्रतिशत की तेजी के लिए, जगुआर लैंड रोवर कैं मार्जिन में 20 आधार अंकों की गिरावट आ सकती है। नए मॉडलों में अप्रत्याशित डिजाइन दोष ब्रांड की धारणा और बिक्री को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका, मेनलैंड चीन और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में उम्मीद से अधिक प्रोत्साहन भी छ्रस्क के मार्जिन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। टाटा मोटर्स की यूके इकाई, जगुआर लैंड रोवर, चालू वर्ष के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 16 जून को अपना निवेशक दिवस आयोजित करेगी। अंत में, रेंज रोवर के भीतर आगामी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों की कम स्वीकृति, विशेष रूप से जगुआर ब्रांडों में, वॉल्यूम को नुकसान पहुंचा सकती है।

विजय केडिया ने लगाया अब इस कंपनी पर दांव, खरीद डाले 100000 शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी अद्वैत एनर्जी के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। अद्वैत एनर्जी के शेयर गुरुवार को इंट्रा डे में 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 1996 रुपये पर पहुंच गए हैं। दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने कंपनी पर बड़ा दांव लगाया है। केडिया ने 1725 रुपये प्रति शेयर के भाव पर अद्वैत एनर्जी के 100000 शेयर खरीदे हैं। विजय केडिया ने अद्वैत एनर्जी के शेयर अपनी इनवेस्टमेंट फर्म केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए खरीदे हैं और यह हिस्सेदारी 17.25 करोड़ रुपये में खरीदी है। अद्वैत एनर्जी के 1 लाख शेयर खरीदने के साथ ही कंपनी में केडिया की

हिस्सेदारी 0.92 पर्सेंट हो गई है।
7200 प्रतिशत से ज्यादा उछले अद्वैत एनर्जी के शेयर- स्मॉलकैप कंपनी अद्वैत एनर्जी के शेयर पिछले पांच साल से भी कम में 7200 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 1 अक्टूबर 2020 को 25.68 रुपये पर थे। अद्वैत एनर्जी के शेयर 12 जून 2025 को 1996 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले चार साल में कंपनी के शेयरों में 700 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 3 साल में 2000 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। अद्वैत एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2260 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1020 रुपये है।
कंपनी का कारोबार- इलेक्ट्रिकल कंपनी अद्वैत एनर्जी का मार्केट कैप गुरुवार 12 जून 2025 को 2000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन

करीमनगर (एजन्सी),

लायंस क्लब ऑफ करीमनगर बोम्मकल के लायन चिंतला किशन पटेल के नेतृत्व में गुरुवार को निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा (कैंट ऑपरेशन) का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्यक्रम डॉ. भास्कर माडेकर के उदार नेत्र अस्पताल रेकुर्ती, करीमनगर के सौजन्य से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बोम्मकल डिवीजन के एडेल्ली हनुमैया, गन्नु भारती, गुन्टूरपल्ली की मादासु लस्मम्मा और बोम्मकल कृष्ण नगर के तोडेंगला अय्यलैया एवं तोडेंगला लक्ष्मी सहित कुल 5 मरीजों की सफल नेत्र शल्य चिकित्सा की गई। अब तक इस पहल के अंतर्गत कुल 163 लोगों को निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन की सुविधा दी जा चुकी है। साथ ही, लाभार्थियों को फल और ब्रेड भी वितरित किए गए। इस सेवा कार्य में लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रीक्ट 320G के ज़ोन चेयरपर्सन लायन चिंतला किशन पटेल और उनके परिवार के सदस्य भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। उन्होंने इस सहयोग के लिए अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ का आभार प्रकट किया।

सांसद जी.कुमारनायक से राज्य सर्कार की उपलब्धियों पर सूचना प्रदर्शनी का उद्घाटन

रायचूरु (एजन्सी),

सांसद जी.कुमार नायक ने गुरुवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा राज्य सरकार के विकास पर आज से 18 जून तक रायचूर सेंट्रल बस स्टैंड पर आयोजित सूचना प्रदर्शनी स्टॉल का उद्घाटन किया।

सांसद ने राज्य सरकार की पंच गारंटी और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के डिस्प्ले बोर्ड देखे और उनकी सराहना की। इस अवसर पर रायचूर सूचना विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'एडे दोरे

नाडल्ली पंच गारंटी यशोगाथा' का सांसद ने विमोचन किया और जनता को वितरित किया। इस अवसर पर एपीएमसी के पतंगे जयवंतराव, के.के.आर.टी.सी. के मंडल नियंत्रक एम.एस. चंद्रशेखर, सूचना विभाग के गविसिद्दप्पा होसामनी, प्रकाश आदि उपस्थित थे।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने तीन मुद्दों पर जताई गहरी चिंता, सरकार से की तत्काल कार्रवाई की मांग

करीमनगर (एजन्सी),

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद (जेआईएच) तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मुहम्मद खालिद मुबशिर उज-जफर ने स्थानीय जेआईएच कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्य और केंद्र सरकार की नीतियों के चलते मुस्लिम समुदाय पर हो रहे प्रभावों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होने विशेष रूप से तीन मुख्य मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है:1. वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 का विरोध:डॉ. मुहम्मद खालिद मुबशिर उज-जफर ने केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पारित किए गए वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को संविधान

विरोधी बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संगठन का कहना है कि यह कानून मुस्लिम धार्मिक संस्थाओं की स्वायत्तता को कमजोर करता है और वक्फ संपत्तियों पर सरकारी हस्तक्षेप को बढ़ावा देता है, जिससे अवैध कब्जों का खतरा और अधिक बढ़ जाएगा। उन्होंने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्रव्यापी विरोध आंदोलन को समर्थन देने की अपील की है।2. तेलंगाना मंत्रिमंडल में मुस्लिमों को प्रतिनिधित्व न मिलना:हाल ही में गठित तेलंगाना राज्य मंत्रिमंडल में किसी भी मुस्लिम को मंत्री पद न दिए जाने पर उन्होंने कड़ा ऐतराज़ जताया है।

उन्होने कहा कि राज्य की 12.56% मुस्लिम आबादी को उचित लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व से वंचित करना बेहद निंदनीय है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी से अपने चुनाव पूर्व वादों को निभाने की मांग करते हुए कहा कि कम से कम एक मुस्लिम को मंत्री पद देकर जनता की भावना का सम्मान किया जाना चाहिए।3. सरकारी स्कूलों की मरम्मत एवं शिक्षा क्षेत्र में सुधार:नए शैक्षणिक सत्र को ध्यान में रखते हुए, जेआईएच ने राज्य सरकार से सरकारी स्कूलों की अवस्थिति में सुधार लाने की अपील की है। उन्होने स्कूल भवनों के पुनर्निर्माण, पेयजल, शौचालय, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों की शीघ्र नियुक्ति की मांग की है। उन्होंने शिक्षा को समाज के विकास की रीढ़ बताते हुए सरकार से योजनाबद्ध ढंग से सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कदम बढ़ाने की अपील की है। जफर ने तेलंगाना सरकार से लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए मुस्लिमों को न्यायोचित प्रतिनिधित्व देने, भेदभावपूर्ण कानूनों को निरस्त करने और शिक्षा क्षेत्र को सशक्त करने की मांग को दोहराया है। अवसर पर प्रदेश सचिव फ़क़रुद्दीन अहमद, जिला अध्यक्ष सोहैब अहमद खान, पूर्व जिलाध्यक्ष खैरुद्दीन और अन्य उपस्थित थे।

बाल मजदूरों को काम पर रखने पर होगी दुकानदार पर कार्रवाई-. शिल्पा शर्मा

बीदर (एजन्सी),

जिला मजिस्ट्रेट शिल्पा शर्मा ने कहा कि बाल मजदूरी ने बच्चों से उनका बचपन और शिक्षा छीन रही है। बीदर जिले में यदि कोई भी दुकानपर बाल मजदूरी करते हुए पाई गई तो दुकानदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वे गुरुवार को बीदर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला प्रशासन, जिला पंचायत, श्रम विभाग, जिला बाल श्रम योजना सोसायटी, लोक शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल कल्याण विभाग तथा जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के उद्घाटन अवसर पर बोल रही थीं।

यदि स्कूल और कॉलेज के छात्र, शिक्षक और नागरिक अपने आसपास बाल मजदूरी करते हुए पाएं तो वे तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर कॉल करें। उन्होंने कहा कि ऐसे बाल मजदूरों को सीधे मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय में भर्ती कराया जाएगा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव प्रकाश बनसोड़े ने कहा कि बाल मजदूरी के मुख्य कारण गरीबी, पारिवारिक कलह और बच्चों के माता-पिता का न होना है। बाल मजदूरी कराना कानूनी अपराध है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों, नागरिकों, युवाओं और छात्र समुदाय तथा विभिन्न संगठनों को बीदर जिले को बाल श्रम मुक्त जिला बनाने के लिए अधिकारियों के साथ हाथ मिलाना चाहिए।

एडवोकेट अंजना कुलकर्णी ने बाल श्रम उन्मूलन पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भाषण प्रस्तुत किए तथा लघु नाटक प्रस्तुत किए। इससे पहले, बीदर शहर में बाल श्रम उन्मूलन के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष षण्मुखया बी.स्वामी, सचिव धनराज बिरादार, जिला श्रम अधिकारी महेश लक्ष्मण कुलाली, जिला बाल समिति के अध्यक्ष सीमप्पा तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जड़चेरला में संत कवि कबीर दास की जयंती संपन्न

महबूबनगर (एजन्सी),

जिले के जड़चेरला में स्थित डॉ बुर्गुला राम कृष्णा राव शासकीय डिग्री कॉलेज में हिंदी विभाग के तत्वावधान में आज संत कवि कबीर दास जी की जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रधानाचार्या प्रोफेसर जी। सुकन्या जी ने की। कार्यक्रम के आरंभ में प्राचार्य जी. सुकन्या जी ने कबीर दास जी के चित्रपट पर माल्यार्पण की तत्पश्चात सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कबीर दास एक महान समाज सुधारक होते हुए भी एक साधारण व्यक्ति के जैसे थे। साधारण जनता में नैतिक मूल्यों गढ़ने का अथक प्रयास कबीर दस ने किया है।

अपनी रचनाओं के माध्यम से तत्कालीन समाज में व्याप्त वैमनस्य भाव को दूर करके धार्मिक सौहर्द्ध की भवाना को स्थापित करने का प्रयास किया है। इनकी रचनाओं में अंधविश्वास तथा पाखंड पर प्रहार किया गया है। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉक्टर नरसिम्हा राव कल्याणी ने कहा कि कबीर दास भक्ति आंदोलन को प्रचार प्रसार करनेवालों में से एक थे। भारतीय जनता को एक करने में उन्होने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ.नर्मदा ने कहा कि कबीर दास ने जनता में सामाजिक दायित्वों से अवगत कराते हुए उनमें जीने के प्रति आशा को जागृत करने वाले एक महान मानवतावादी थे। इस कार्यक्रम में इतिहास विभाग के राघवेंद्र रेड्डी ने देश में सामाजिक समरता को स्थापित करने में कबीरदास जी के योगदान को उल्लेख किया।

इस कार्यक्रम में शैक्षिक समन्वयकर्ता डॉ. श्रीनिवासुलु , तेलुगू के डॉ.नरसिमलु , डॉ.वेंकटय्या , डॉ.पुष्पलता , राजनीति विज्ञान के डॉ. ननदकिशोर आदि प्राध्यापकगण तथा छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

नांदेड़ मंडल में लोको पायलटों के परिवारों के लिए विशेष बातचीत सत्र का आयोजन

नांदेड़ (एजन्सी),

दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ मंडल में लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों और उनके परिवारों के लिए एक विशेष बातचीत सत्र का आयोजन किया गया। यह बातचीत सत्र पिछले सप्ताह नांदेड़ मंडल के औरंगाबाद, पूर्णा और अकोला रेलवे स्टेशनों पर आयोजित किया गया था। इसमें रवि तेजा, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरएसओ ने मुख्य रूप से रेलवे परिवारों का मार्गदर्शन किया। उनके साथ जयप्रकाश, सहायक अभियंता/नांदेड़ मंडल मौजूद थे। इस सत्र का उद्देश्य कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, उनकी प्रतिबद्धता और उनके परिवारों की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

ट्रेनों का सुरक्षित और समय पर संचालन बहुत बड़ी जिम्मेदारी का विषय है, जिसके लिए जागरूकता, सतर्कता और नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है। सत्र में इस भूमिका के महत्व को समझाया गया। थकान और दुर्घटनाओं से बचने के लिए पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद जरूरी है। आराम के लिए शांत और स्वच्छ वातावरण जरूरी है, जिसके लिए परिवारों से सहयोग करने

की अपील की गई। मानसिक तनाव को कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और मन की शांति प्राप्त करने के लिए योग और ध्यान उपयोगी हैं। इन चीजों को दैनिक जीवनशैली में शामिल करने की अपील की गई। परिवार में खुशहाल और समझदारी भरा माहौल कर्मचारी की कार्यकुशलता में अहम भूमिका निभाता है। सामंजस्य और सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। आराम के दौरान सोशल मीडिया या मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचना चाहिए। इससे नींद की गुणवत्ता खराब होती है और मानसिक थकान बढ़ती है। नियमित व्यायाम, व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वास्थ्य जांच से स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। बीमारियों से बचाव के लिए इन आदतों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। समय पर और स्वस्थ भोजन का सेवन करने से शरीर फिट रहता है और ड्यूटी पर एकाग्रता बनी रहती है। कोई भी दवा लेते समय केवल पंजीकृत चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। स्व-दवा स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। आर्थिक तंगी में मोबाइल एप से लिए गए लोन मानसिक तनाव का कारण बनते हैं। ऐसी चीजों से दूर रहना चाहिए और उचित वित्तीय सलाह का पालन करना चाहिए। सत्र के अंत में कर्मचारियों और उनके परिवारों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सत्र में स्वास्थ्य, मानसिक शांति और कार्यकुशलता के लिए परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। रेलवे प्रशासन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस तरह के सत्र आयोजित किए जाएंगे।

नवाफ्लेक्स ने विकास और नवाचार को गति देने अबायरो कैपिटल से किया निवेश प्राप्त

हैदराबाद (एजन्सी),

नवाफ्लेक्स इंक., कोलंबस, ओहियो स्थित एक अग्रणी डेवलपर है जो हमारे ऊर्जा भविष्य में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने वाले अभिनव बिजली समाधानों का विकास करता है, ने अपने ब्रिज-सीड फंडिंग राउंड के सफल समापन की घोषणा की है, जिसका नेतृत्व अबायरो कैपिटल द्वारा किया गया है, जो हैदराबाद, भारत और डबलिन और ओहियो में मुख्यालय वाली एक यूएस-भारत-केंद्रित उद्यम पूंजी फर्म है।

डॉ. सुवनकर सेनगुप्ता, डॉ. रामचंद्र आर. रेवुर और डॉ. अमूल तेवर द्वारा 2021 में स्थापित, नवाफ्लेक्स दो प्रमुख डोमेन में काम करता है: पहनने योग्य और IoT उपकरणों के लिए ग्राउंडब्रेकिंग लचीली बैटरी तकनीक जिसे कपड़ों पर सहजता से एकीकृत किया जा सकता है, और उन्नत सुपरकंडक्टिंग सामग्री जो अगली पीढ़ी के विद्युत बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाती है। कंपनी की मालिकाना लचीली बैटरी तकनीक अल्ट्रा-पतली, मोड़ने योग्य बैटरी बनाती है जो न केवल हल्की होती हैं बल्कि सुरक्षित और धोने योग्य भी होती हैं।

उनकी सुपरकंडक्टिंग सामग्री अधिक कुशल बिजली प्रणालियों और उभरती हुई फ्यूजन बिजली उत्पादन तकनीकों का समर्थन करती है। ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकी में नवाफ्लेक्स की सफलता हमारे मिशन के साथ पूरी तरह से मेल खाती है, जो बड़े पैमाने पर, कम सेवा वाले बाजारों के लिए श्रेणी-परिभाषित समाधान बनाने वाले

व्यवसायी-नेतृत्व वाले, दूरदर्शी संस्थापकों का समर्थन करने के लिए है," अबायरो कैपिटल के संस्थापक और प्रबंध भागीदार वामसी कोरा ने कहा।

"हम विकास और नवाचार के उनके अगले अध्याय का समर्थन करने के लिए रोमांचित हैं। अबायरो कैपिटल के सलाहकार और टी-हब के पूर्व सीईओ श्रीनिवास राव महांकाली ने कहा, नवाफ्लेक्स के बारे में जो बात हमें सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है डीप-टेक इनोवेशन को वास्तविक दुनिया की उपयोगिता के साथ जोड़ने की उनकी क्षमता। उनके समाधान न केवल तकनीकी रूप से मजबूत हैं, बल्कि व्यावहारिक, स्केलेबल और पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स और IoT के भविष्य के लिए बेहद प्रासंगिक हैं। डीप-टेक के दिग्गजों, डॉ. सुवनकर सेनगुप्ता और डॉ. रामचंद्र रेवूर, दोनों ही संधारणीय ऊर्जा और उन्नत सामग्रियों के क्षेत्र में निपुण वैज्ञानिक हैं, और डॉ. अमूल तेवर, ARPA-e क्रेडेंशियल्स वाले एक व्यावसायीकरण विशेषज्ञ और सफल ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को स्केल करने का ट्रैक रिकॉर्ड रखते हैं, नवाफ्लेक्स विश्व स्तरीय R&D और वास्तविक दुनिया के प्रभाव को एक साथ लाता है।एब्यरो कैपिटल अमेरिका और भारत में परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में शुरुआती चरण के निवेश पर ध्यान केंद्रित करता है। फर्म ने हाल ही में एआई, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन सॉल्यूशन जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप को समर्थन देने के उद्देश्य से $25 मिलियन का फंड लॉन्च किया है। एब्यरो ने हैदराबाद, भारत में एक अग्रणी इनोवेशन इकोसिस्टम इनेबलर टी-हब के साथ भी साझेदारी की है, ताकि स्टार्टअप को मेंटरशिप, मार्केट एक्सेस और ऑपरेशनल सपोर्ट प्रदान किया जा सके। इस फंडिंग का उपयोग अपनी बैटरी प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण में तेजी लाने, अपने आरएंडडी और इंजीनियरिंग टीमों का विस्तार करने और मजबूत साझेदारी के साथ बाजार में प्रवेश करने के लिए किया जाएगा। पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स की एक नई पीढ़ी के लिए रास्ता तैयार करना जो अधिक सुरक्षित, अधिक कार्यात्मक और वास्तव में रोजमर्रा की जिंदगी में एकीकृत है, कंपनी पहनने योग्य प्रौद्योगिकी और स्मार्ट उपकरणों के विकसित परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। नवाफ्लेक्स के डॉ. सुवनकर सेनगुप्ता ने कहा, "यह निवेश कल की दुनिया के लिए ऊर्जा समाधानों में क्रांति लाने के हमारे मिशन में एक परिवर्तनकारी क्षण का प्रतिनिधित्व करता है।" अबायरो कैपिटल के रणनीतिक समर्थन के साथ, हम अपने दोहरे नवाचार दृष्टिकोण को गति देने की स्थिति में हैं, जिससे हम अपनी लचीली बैटरी प्रौद्योगिकी और सुपरकंडक्टिंग सामग्रियों को आगे बढ़ा सकेंगे, साथ ही मानवता की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने वाले अधिक टिकाऊ और कुशल ऊर्जा भविष्य का निर्माण करने के लिए आवश्यक साझेदारियों का निर्माण कर सकेंगे।

डब्ल्यूटीसी 2023-25 आईसीसी ने प्राइज मनी बढ़ाई, विजेता-उपविजेता पर होगी पैसों की बरसात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जा रहा है। आईसीसी ने इस साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए प्राइज मनी में बढ़ोतरी की थी। इस साल विजेता टीम तो मालामाल होगी ही, साथ ही उपविजेता टीम को भी साल 2023 में विजेता टीम को मिली राशि से ज्यादा रुपये मिलेंगे।

हालांकि, इस चक्र में तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम पर भी पैसों की बरसात होगी। उन्हें भी जितनी राशि मिलेगी, वह 2023 में डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम की राशि के करीब है। वहीं, इस चक्र में सबसे फिसड्डी रही पाकिस्तान की टीम को सबसे कम राशि मिलेगी। डब्ल्यूटीसी में नौ टीमें हिस्सा लेती हैं और अंक प्रतिशत के आधार पर शीर्ष दो पर रहने वाली टीम फाइनल खेलती है।

विजेता-उप-विजेता को कितनी राशि?

आईसीसी ने विजेता टीम के लिए जो राशि तय की है, वह पिछले संस्करण से दोगुनी है। इस बार विजेता टीम को बंपर पैसे मिलेंगे और आईपीएल विजेता से भी ज्यादा मिलेंगे। इस साल विजेता टीम को 3.6 मिलियन यूएस डॉलर यानी 30.79 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने जब 2023 में फाइनल जीता था तो उन्हें 1.6 मिलियन डॉलर यानी 13.69 करोड़ रुपये मिले थे। फाइनल में हारने वाली टीम यानी उप विजेता को 2.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (17.96 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जो कि पिछले दो बार की विजेता राशि से भी ज्यादा है। वहीं, पिछले दो संस्करणों के उपविजेता को 800,000 अमेरिकी डॉलर यानी 6.84 करोड़ रुपये मिले थे।

भारतीय टीम को इतने रुपये मिलेंगे

वहीं, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर टीम इंडिया रही थी। उन्हें इनाम के तौर 1.4 मिलियन डॉलर यानी 12.31 करोड़ रुपये मिलेंगे। चौथे स्थान पर न्यूजीलैंड की टीम रही और उन्हें 1.2 मिलियन डॉलर यानी 10.26 करोड़ रुपये मिलेंगे। पांचवें स्थान पर इंग्लैंड की टीम रही और उन्हें 0.96 मिलियन डॉलर यानी 8.20 करोड़ रुपये मिलेंगे। छठे स्थान पर श्रीलंका की टीम रही और उन्हें 0.84 मिलियन डॉलर यानी 7.18 करोड़ रुपये मिलेंगे।

पाकिस्तान को मिलेंगे इतने रुपये

सातवें स्थान पर रहने वाली बांग्लादेश की टीम को 0.72 मिलियन डॉलर यानी 6.15 करोड़ रुपये, आठवें स्थान पर रहने वाली वेस्टइंडीज टीम को 0.6 मिलियन डॉलर यानी 5.13 करोड़ रुपये और सबसे आखिरी यानी नौवें स्थान पर रहने वाली पाकिस्तान की टीम को 0.48 मिलियन डॉलर यानी 4.10 करोड़ रुपये मिलेंगे। भारत को पाकिस्तान को मिलने वाली राशि से तीन गुना ज्यादा रुपये मिलेंगे।

राशि बढ़ाने के पीछे आईसीसी का मकसद

आईसीसी के प्राइज मनी को बढ़ाने के पीछे का मकसद टेस्ट क्रिकेट को और रोमांचक बनाना है ताकि टीमें तालिका में ऊपर आने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा करें और बेहतर इनाम जीतने की कोशिश करें। इससे टीमें अंत अंत तक खुद को ऊपर लाने की कोशिश करेंगी। इस 2023-25 डब्ल्यूटीसी चक्र में दक्षिण अफ्रीका की टीम 69.44 अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रही थी, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम 67.54 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारत का अंक प्रतिशत इस चक्र में 50.00 रहा। भारतीय टीम अब अपने 2025-27 चक्र की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी।

सोफी शाइन ने शिखर धवन से पहली मुलाकात का किया खुलासा, कहा कैसे शुरू हुई हमारी लव स्टोरी!

मुंबई (एजेंसी)। आयशा मुखर्जी से 11 साल बाद तलाक बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन सोफी शाइन के साथ रिलेशनशिप में हैं। आयरलैंड में जन्मी सोफी कॉर्पोरेट घराने से है। धवन और सोफी की लव स्टोरी चुपचाप शुरू हुई, लेकिन इस जोड़े को विभिन्न जगहों पर साथ देखे जाने के बाद लोगों के बीच यह जोड़ी चर्चा में है। अब सोफी शाइन ने खुलासा किया कि वह शिखर धवन से कैसे मिलीं और दोनों कैसे रिलेशनशिप में आए। सोफी ने पहली बार सार्वजनिक मंच पर बताया कि शिखर से पहली मुलाकात के दौरान किस बात ने उन्हें क्रिकेटर की तरफ आकर्षित किया। एक प्रमोशनल वीडियो में सोफी ने कहा कि धवन की शरारती आंखें और सुंदर चेहरे ने शुरू में उनका ध्यान खींचा था। उन्होंने कहा कि वह दुबई के एक रेस्तरां में उनकी पहली मुलाकात के दौरान वह तुरंत उनकी ओर आकर्षित हो गई थीं।

सोफी ने कहा, निश्चित रूप से, उनका सुंदर चेहरा। उनकी आंखें बहुत शरारती थीं। उनके बगल में बैठे धवन ने उस पल की अपनी याद को जोड़ते हुए कहा, हम दुबई के एक रेस्तरां में मिले और यह एक शानदार एहसास था। सोफी ने कैमोफ्लाज ट्राउजर पतलून और जैकेट पहनी हुई थी। वह बहुत सुंदर लग रही थी। दुबई में हुई शुरुआती मुलाकात जल्द ही नियमित बातचीत और मिलने में बदल गई जो एक स्थिर रिश्ते में परिपक्व हो गई। शुरुआत में दोनों रिलेशनशिप को लेकर चुप रहे लेकिन एयरपोर्ट और हाई-प्रोफाइल क्रिकेट इवेंट में एक साथ दिखाई देने से धीरे-धीरे यह स्पष्ट हो गया कि वे सिर्फ परिचित नहीं थे। सबसे चर्चित पलों में से एक वह था जब धवन आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में दुबई में थे। सोफी के साथ क्रिकेटर की तस्वीरें तेजी से वायरल हुईं जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। उसके बाद सोफी भारत चली गईं और धवन के साथ रहने लगीं। आयरलैंड में जन्मी और पली-बढ़ी, उन्होंने प्रतिष्ठित लिमरिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मार्केटिंग और मैनेजमेंट में डिग्री हासिल करने से पहले कैसलरॉय कॉलेज में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। वर्तमान में वह अबू धाबी में नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉर्पोरेशन में द्वितीय उपाध्यक्ष के उच्च पद पर हैं, जहां वह प्रोडक्ट कंसलटेंट के रूप में काम करती हैं।

इंग्लैंड में 18वीं फिफ्टी लगाई, वेरियन ने एकहाथ से डाइविंग कैच लिया

स्टीव स्मिथ लॉर्ड्स स्टेडियम में टॉप विदेशी स्कोरर

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेला जा रहा है। बुधवार को मुकाबले के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया 212 रन बनाकर सिमट गई। साउथ अफ्रीका अपनी पहली पारी में 4 विकेट खोकर 43 रन बना लिए।

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने 66 रन बनाए, इसी के साथ वे इंग्लैंड में सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले विदेशी बैटर बने। वे लॉर्ड्स स्टेडियम में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी भी बने। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने अपने आखिरी 5 विकेट महज 22 रन बनाने में गंवा दिए।

इंग्लैंड में हाईएस्ट 50+ स्कोर वाले विदेशी बने स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया के नंबर-4 बैटर स्टीव स्मिथ 66 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने इंग्लैंड में 10वीं फिफ्टी लगाई, वे यहां 8 सेंचुरी भी लगा चुके हैं। डब्ल्यूटीसी फाइनल में फिफ्टी लगाकर स्मिथ इंग्लैंड में सबसे ज्यादा 18 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले विदेशी बैटर बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ही एलन बॉर्डर और वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों के नाम इंग्लैंड में 17-17 फिफ्टी प्लस स्कोर का रिकॉर्ड रहा।

लॉर्ड्स में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बने स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बैटर भी बन गए। उनके अब 6 मैच की 10 पारियों में 591 रन हो गए। इनमें उन्होंने 2 शतक और 3 फिफ्टी लगाई हैं। स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के ही वारेन बार्डस्ले का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 5 मुकाबलों में 575 रन बनाए।

काइल वेरियन का डाइविंग कैच

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर काइल वेरियन ने एक हाथ से बेहतरीन डाइविंग कैच पकड़ा। 24वें ओवर की दूसरी बॉल मार्को यानसन ने गुड लेंथ पर लेग स्टंप की ओर फेंकी। ट्रैविस हेड फ्लिक करने गए, मार्करम ने ऑफ स्टंप के बाहर फुलर लेंथ लेकिन गेंद उनके बैट से लगकर विकेटकीपर की ओर चली गई। यहां वेरियन ने अपने दाईं ओर डाइव लगाई और एक हाथ से बेहतरीन कैच पकड़ लिया। हेड को 11 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।

रिव्यू नहीं लेने के कारण नॉटआउट रहे वेबस्टर

29वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के ब्यू वेबस्टर साउथ अफ्रीका के रिव्यू नहीं लेने के कारण आउट होने से बच गए। ओवर की दूसरी बॉल कगिसो रबाडा ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। बॉल वेबस्टर के पैड्स पर लगी, रबाडा ने एलपीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन अंपायर ने नॉट आउट का इशारा दिया।

रबाडा ने रिव्यू लेने की सलाह दी, लेकिन कप्तान तेम्बा बावुमा ने मना कर दिया। उन्होंने इशारा किया कि बॉल बैट से लगी है। रिप्ले में पता चला कि अगर ऐक्स लिया जाता तो वेबस्टर को पवेलियन लौटना पड़ता। इस वक्त वेबस्टर महज 8 रन के स्कोर पर थे, उन्होंने 72 रन की पारी खेली।

मार्को यानसन का जगलिंग कैच

42वें ओवर में साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन ने फर्स्ट स्लिप में बेहतरीन जगलिंग कैच पकड़ा। ओवर की आखिरी बॉल ऐडन मार्करम ने ऑफ स्टंप के बाहर फुलर लेंथ गेंद बाहरी किनारे से लगकर स्लिप की ओर चली गई। फर्स्ट स्लिप में यानसन ने अपने बाएं हाथ से बॉल पकड़ी, लेकिन गेंद उछलकर दाएं हाथ की ओर चली गई। यानसन ने तीसरी बार कोशिश की और बॉल पकड़ ली। स्मिथ 66 रन बनाकर आउट हुए।

स्विर्स स्वीप खेलने में बोल्ड हुए कैरी

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में बोल्ड हो गए। 52वें ओवर की पहली बॉल केशव महाराज ने फुलर लेंथ फेंकी, कैरी रिवर्स स्वीप खेलने गए, लेकिन गेंद मिस कर गए और बोल्ड हो गए। कैरी ने 23 रन बनाए।

22 रन बनाने में ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट गंवाए

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे सेशन में 5 विकेट गंवा दिए। टीम के सभी विकेट 22 रन बनाने में ही गिर गए। टी सेशन के बाद केशव महाराज ने एलेक्स कैरी को बोल्ड किया। यहां से कगिसो रबाडा ने पैट कमिंस और ब्यू वेबस्टर को पवेलियन भेजा। मार्को यानसन ने नाथन लायन को बोल्ड किया। रबाडा ने फिर मिचेल स्टार्क को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 212 रन पर समेट दी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल

साउथ अफ्रीका की आधी टीम 97 रन पर ही पवेलियन लौटी

लॉर्ड्स (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लंदन में खेला जा रहा है। बुधवार लॉर्ड्स स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। गुरुवार को मैच का दूसरा दिन है और पहला सेशन जारी है।

साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 5 विकेट खोकर 97 रन बना लिए हैं। डेविड बेडिंघम (26 रन) और काइल वेरियन (1 रन) पिच पर हैं। कप्तान टेम्बा बावुमा (36 रन) को पैट कमिंस ने मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराया।

पहले दिन कमिंस ने वियान मुल्डर (6 रन) को बोल्ड किया था। साउथ अफ्रीका ने 43/4 के स्कोर से दूसरे दिन की शुरुआत की। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया 212 रन पर ऑलआउट हो गई थी। ब्यू वेबस्टर ने 72 और स्टीव स्मिथ ने 66 रन की पारी खेली। कगिसो रबाडा ने 5 और मार्को यानसन ने 3 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका ने 5वां विकेट गंवा दिया है। यहां कप्तान टेम्बा बावुमा 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें पैट कमिंस ने मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराया। कमिंस को दूसरा विकेट मिला है। उन्होंने पहले दिन वियान मुल्डर को बोल्ड किया था।

बावुमा-बेडिंघम की फिफ्टी पार्टनरशिप

34वें ओवर में कप्तान टेम्बा बावुमा और डेविड बेडिंघम की जोड़ी ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। मिचेल स्टार्क के ओवर की दूसरी बॉल पर बावुमा ने चौका लगाकर 5वें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। टीम ने 30 रन पर चौथा विकेट गंवाया था।

मौजूदा फॉर्म और गेंदबाजी संयोजन पर होगी भारतीय टीम प्रबंधन की नजर

बेकेनहैम (केंट) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले भारत की सीनियर टीम और भारत ए के बीच शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास क्रिकेट मैच में टीम प्रबंधन सही संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस मैच में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर निगाह रहेगी और भारतीय टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इन दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है।

यह मैच 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले सीनियर टीम का एकमात्र अभ्यास मैच होगा। किसी भी श्रृंखला से पहले इस तरह के मैच टीम की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने यह मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना है ताकि विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। यूरोपीय फुटबॉल क्लब लंबे समय से ऐसा करते रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में भी ऐसा किया था। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा था कि यह मैच भारत की तैयारी की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्य अभ्यास सत्रों से एक दिन में 90 ओवर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करने की क्षमता विकसित करना मुश्किल होता है। इस चार दिवसीय मैच को आधिकारिक तौर पर प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है। इसमें यदि कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है तो उसे दूसरा मौका मिलता है।

इस मैच से भारतीय टीम प्रबंधन को मैच की परिस्थितियों में अपने खिलाड़ियों विशेष कर गेंदबाजों का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि गेंदबाज़ चाहे वह स्पिनर हो या तेज़ गेंदबाज वास्तविक मैच में अपेक्षित लय में हों। हेडिंग्ले के लिए एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर को चुनने के लिए गंभीर को कुछ माथापच्ची करनी होगी। जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन अगर भारत को 20 विकेट हासिल करने हैं तो फिर कुलदीप की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी।

कुलदीप यहां की परिस्थितियों में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अच्छे सहयोगी साबित हो सकते हैं। जडेजा बनाम कुलदीप अंतिम एकादश के लिए सबसे बड़ी पहेली है जिसे गंभीर और कोचिंग स्टाफ को सुलझाना होगा। इसी तरह इस मैच से कोचों और कप्तान शुभमन गिल को यह देखने का मौका मिलेगा कि आकाश दीप की फुल लेंथ या प्रसिद्ध कृष्णा की बैक ऑफ द लेंथ में से कौन सी गेंद इन परिस्थितियों में बेहतर काम करती है। छह महीने बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा।

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे को यादगार बनाने के लिए दी सलाह

टेस्ट श्रृंखला 20 जून से शुरु

बेकेनहैम (इंग्लैंड) (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम से अपने 'कम्फर्ट जोन' (सहज स्थिति) से बाहर निकलने और संन्यास ले चुके स्टार खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा तथा आर अश्विन की अनुपस्थिति में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला को 'यादगार' बनाने को कहा।

भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगा। दोनों टीम के बीच पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला 20 जून को लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। गंभीर ने 'बीसीसीआई.टीवी' से अश्विन, रोहित और कोहली के हाल ही में संन्यास का जिक्र करते हुए कहा, 'इस दौरे को देखने के दो तरीके हैं। एक तो यह कि हम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना हैं या हमें देश के लिए कुछ खास करने का यह अभूतपूर्व अवसर मिला है।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वह शुभमन गिल की अगुआई वाली मौजूदा टीम में कुछ खास हासिल करने के लिए 'जुनून और प्रतिबद्धता% महसूस कर सकते हैं। उन्होंने कहा,

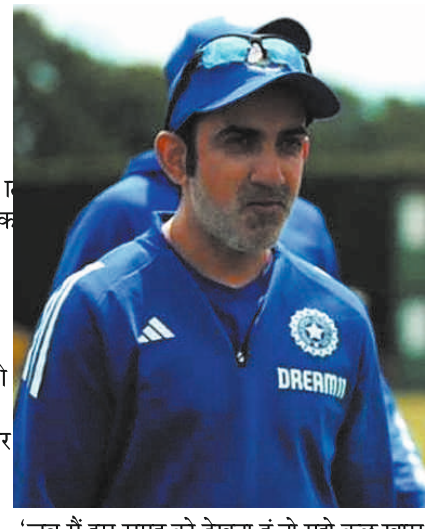

'जब मैं इस समूह को देखता हूं तो मुझे कुछ खास करने की भूख, जुनून और प्रतिबद्धता दिखती है। अगर हम त्याग करते हैं, अगर हम अपनी सहज स्थिति से बाहर आते हैं, अगर हम हर दिन नहीं बल्कि हर सत्र, हर घंटे और हर गेंद पर चुनौती पेश करना शुरू करते हैं तो मुझे लगता है कि हम इसे एक यादगार दौरा बना सकते हैं।%

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे पर पूरी टीम का स्वागत किया और बी साई सुदर्शन से शुरुआत करते हुए कुछ सदस्यों की विशेष सराहना की। भारतीय कोच ने कहा, 'पहली बार टेस्ट टीम में बुलाया जाना हमेशा खास होता है इसलिए मैं साई का स्वागत करना चाहता हूं जिनके लिए बल्ले से तीन महीने शानदार रहे हैं और सुनिश्चित कीजिए कि आपका लाल गेंद का करियर बेहद सफल हो।

गंभीर ने उम्मीद जताई कि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह टेस्ट क्रिकेट में भी अपना प्रभाव छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं अर्शदीप सिंह का स्वागत करना चाहता हूं। आपने सफेद गेंद से शानदार प्रदर्शन किया है और मुझे यकीन है कि आप लाल गेंद से भी अपना जलवा बिखेरेंगे। इस 43 वर्षीय कोच ने इसके बाद गिल और उप-कप्तान ऋषभ पंत की पीठ भी थपथपाई। गंभीर ने कहा, 'मैं शुभमन को भी बधाई देना चाहता हूं जो पहली बार कप्तानी कर रहे हैं। अपने देश की टेस्ट टीम का नेतृत्व करने से बड़ा कोई सम्मान नहीं है। बधाई हो। ऋषभ पंत को भी जो अब नेतृत्व समूह का हिस्सा हैं।

गंभीर ने करुण नायर की भी तारीफ की जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में वापसी की। भारतीय कोच ने कहा, 'वापसी कभी आसान नहीं होती, जिसने सात साल बाद और बी साई सुदर्शन से शुरुआत करते हुए कुछ वापसी की हो, उसका पिछला साल शानदार रहा। उन्होंने कहा, 'आपने जितने रन बनाए हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात कभी हार ना मानने का जज्बा है जिसने आपको टीम में वापस ला दिया है और यह इस समूह में सभी के लिए प्रेरणादायक है। करुण नायर का स्वागत है।%

नायर ने कहा कि वह भारत के लिए खेलने का दूसरा मौका मिलने पर 'आभारी' हैं। उन्होंने कहा, 'इस अवसर फिर से मिलने के लिए आभारी हूं। मैं इस अवसर का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं। मुझे यकीन है कि एक बार जब मैं मैदान पर उतरूंगा तो मेरे अंदर बहुत सारी भावनाएं होंगी लेकिन अभी मैं उन्हें व्यक्त नहीं कर सकता।

कप्तान गिल ने अपने साथियों से खुद को थोड़ा दबाव में रखने का आग्रह किया जिससे कि श्रृंखला शुरू होने पर वे परिस्थितियों से प्रभावित नहीं हों। गिल ने कहा, 'आइए प्रत्येक नेट सत्र को सार्थक बनाएं। आइए खुद को थोड़ा दबाव में रखें। जब हम मैदान पर उतरते हैं तो इसका मतलब सिर्फ मैदान पर जाकर टिके रहना नहीं होता, आइए हम अपने खेल का पता लगाएं, जब हम पर दबाव डाला जाएगा तो हम कैसे खेलेंगे - चाहे वह गेंदबाज हो या बल्लेबाज।

भारत अच्छी तैयारी के साथ आया होगा, लेकिन हम जानते हैं कि हमें कहां पहुंचना है: मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि भारत पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अच्छी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ यहां आया होगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि 'एक टेस्ट टीम के रूप में हम कहां पहुंचना चाहते हैं। भारत अपने नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा।

मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, 'वह शानदार क्रिकेट खेलने वाला देश है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ यहां आया होगा और हम उनकी चुनौती के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड ने हाल ही में छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला में वेस्टइंडीज का सफाया किया। अब उनका ध्यान लाल गेंद के प्रारूप पर है क्योंकि वे भारत और इस साल के अंत में होने वाली एशेज की तैयारी कर रहे हैं। मैकुलम ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी तरोताजा रहें। हम जानते हैं कि टेस्ट टीम के रूप में हमें कहां पहुंचना है।

इंग्लैंड की टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड नहीं होंगे, जो चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफा आर्चर भी शुरुआती टेस्ट से बाहर रहेंगे, जबकि गस एटकिंसन अब भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। मैकुलम को हालांकि इंग्लैंड के गेंदबाजी विकल्पों पर पूरा भरोसा है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'हमारे कुछ अच्छे तेज गेंदबाज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे लेकिन हमारे पास क्रिस वोक्स, सैम कुक, ब्रायडन कार्स, जेमी ओवरटन, जोश टंग के रूप में तेज गेंदबाजी विभाग में अच्छा और विविधतापूर्ण आक्रमण है।

अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा शाखा एवं वैभवी नारी शक्ति की संयुक्त बैठक सम्पन्न

हैदराबाद
(एजन्सी),

अग्रवाल समाज, हैदरगुड़ा शाखा एवं वैभवी नारी शक्ति के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक एबिड्स स्थित सीए मनोज कुमार अग्रवाल के कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना से हुआ। पवन कुमार अग्रवाल ने बताया कि नव-निर्वाचित शाखा अध्यक्ष महेश कनोडिया ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए समाज की भावी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में संयुक्त मंत्री रितेश अग्रवाल ने आगामी "सावन की सैर" यात्रा की जानकारी दी, जिसमें इस वर्ष समाज के सदस्य भीमाशंकर और घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे तथा लोनावला की हरियाली का भी आनंद उठाएँगे। यात्रा संबंधी जानकारी व्हाट्सएप द्वारा साझा की जाएगी। शाखा अध्यक्ष महेश कनोडिया, संयुक्त मंत्री रितेश अग्रवाल, वैभवी नारी शक्ति शाखा अध्यक्ष ऋतू अग्रवाल इसके संयोजक हैं।

शाखा उपाध्यक्ष सीए मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष भी समाज की ओर से जरूरतमंद स्कूलों एवं अनाथाश्रमों में दो डिजिटल क्लासरूम स्थापित किए जाएंगे। वहीं कोषाध्यक्ष निरंजन पित्ती ने समाज के लिए एक पॉडकास्ट एवं यूट्यूब चैनल शुरू करने की योजना साझा की, जिसमें सामाजिक सुधार, पारिवारिक समाधान, वैवाहिक चर्चा एवं सांस्कृतिक विषयों पर संवाद होंगे। इसके लिए संपादकीय समिति गठित की जाएगी। पूर्व अध्यक्ष गोपालदास अग्रवाल ने पॉडकास्ट को निशा हैंडीक्राफ्ट्स द्वारा प्रायोजित करने का आश्वासन दिया। वैभवी नारी शक्ति की अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने घोषणा की कि दिसंबर या जनवरी माह में समाज द्वारा "अभिभावक दिवस" (माता-पिता सम्मान समारोह) का आयोजन किया जाएगा। शाखा मंत्री रमाकांत गोयल ने कहा कि हैदरगुड़ा शाखा एवं लायंस

भोजनालय के सहयोग से लायन कमल किशोर अग्रवाल द्वारा नामपल्ली स्थित शिव मंदिर में 680 दिनों से अन्न प्रसाद वितरण सेवा अनवरत संचालित की जा रही है। अब यह सेवा प्रत्येक सप्ताह समाज के तीन सदस्यों के सहयोग से और सुचारु रूप से चलाई जाएगी। प्रतिदिन 300–350 लोगों को निशुल्क भोजन कराया जाता है। समाज के सदस्य अपने विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्यतिथि आदि पर 5000 रुपये की सहयोग राशि से एक दिन का भोजन प्रायोजित कर सकते हैं। इच्छुक सदस्य कमल किशोर अग्रवाल (मो.: 98490 99368) से संपर्क कर सकते हैं।

महेश कनोडिया ने बताया कि वर्ष 2021 से समाज द्वारा "Use & Return Basis" पर निशुल्क मेडिकल इक्विपमेंट सेवा चलाई जा रही है।

इस सेवा में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, सिलेंडर, बायपैप मशीन, व्हीलचेयर, पेशेंट बेड आदि उपलब्ध हैं। इन उपकरणों का उपयोग न केवल हैदराबाद बल्कि केदारनाथ, अमरनाथ, चारधाम, अयोध्या एवं सरकारी अस्पतालों तक अनुदान स्वरूप किया गया है। केंद्रीय समिति सदस्य अनिल अग्रवाल ने समाज के सदस्यों से आग्रह किया कि यदि उनके पास कोई भी अनुपयोगी मेडिकल उपकरण जैसे हियरिंग एड, पेशेंट बेड, व्हीलचेयर आदि हो तो उसे समाज को दान करें। शाखा उस उपकरण को दानकर्ता के घर से गोडाउन तक लाने की जिम्मेदारी लेगी।

किसी भी सेवा संबंधी आवश्यकता या सहयोग के लिए इस समिति में महेश कनोडिया (मो. 9966994499), सीए मनोज कुमार अग्रवाल (मो. 9393066923), रविंद्र गोयल (बंटी भाई), रामकांत गोयल (मो. 9391034050), मनीष अग्रवाल (आटापुर) (मो. 9246571921), संजय सिंह (मो. 9848017193) एवं अनिल अग्रवाल (मो. 9347055211) से संपर्क ककिया जा सकता है । मेडिकल आपातकालीन सेवा या आर्थिक सहायता के लिए कमल किशोर अग्रवाल (9030775930) से संपर्क किया जा सकता है ।वैभवी नारी शक्ति की मंत्री सतवंती सरायवाला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ, जिसके पश्चात सभी सदस्यों ने जलपान का आनंद लिया।

बैठक में शाखा संयुक्त मंत्री रितेश अग्रवाल के पिताजी स्वतंत्र कुमार अग्रवाल विशेष आमंत्रित थे।

अवसर पर राजकुमार सरायवाला, जयप्रकाश गोयल, अरविंद अग्रवाल, दीपक गुप्ता, अजय कुमार अग्रवाल, अनुपमा गुप्ता, विकास गुप्ता, एडवोकेट संतोष अग्रवाल, सपना अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, संजय कनोडिया, कमल अग्रवाल एवं सुधांश अग्रवाल सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

श्रम विभाग और शूर एनजीओ ने मनाया विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस

आदिलाबाद
(एजन्सी),

विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस के अवसर पर आओ बाल श्रम को मिटाएं और बच्चों को बचाएं, यह बात लीगल एड डिफेंस काउंसिल के प्रमुख दसारी गंगाराम ने कही। विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस के अवसर पर, बाल श्रम उन्मूलन के लिए डीसीपीयू, श्रम विभाग और शूर एनजीओ के तत्वावधान में जेडपीएसएस, केआरके कॉलोनी, आदिलाबाद शहर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा. बच्चों को काम पर लगाना कानूनन अपराध है। उन्होंने कहा कि जब तक बच्चे काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें स्कूल नहीं जाना चाहिए। जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने कहा हम बच्चों को बेहतर भविष्य देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में बाल श्रम को खत्म करने के उद्देश्य से हर साल 12 जून को विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को "वयस्कों को काम पर जाना चाहिए" के नारे के साथ स्कूल जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल में बच्चों की सुरक्षा की जाएगी। बाद में बच्चों के साथ रैली निकाली गई। अवसर पर डिप्टी लीगल काउंसिल अरुगुला अशोक, सहायक श्रम अधिकारी विनोद, स्कूल हेडमास्टर शेख अली, सीडीपीओ वनजा, शूर एनजीओ जिला समन्वयक के विनोद, सीआरपीएफ अध्यक्ष संबाशिव राव, पर्यवेक्षक अनीता, लक्ष्मी आंगनवाड़ी शिक्षिकाएं, स्कूल शिक्षक नवीन कुमार, एडवोकेट के रमेश, डीएचईओ यशोदा व अन्य उपस्थित थे।

सद्गुरु डॉ .उमर अली शाह द्वारा मोदी के फिटनेस मंत्र का समर्थन

पिठापुरम
(एजन्सी),

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर योग शक्ति साधना समिति 21 दिनों तक मोदी के फिटनेस मंत्र पर जागरूकता सम्मेलन आयोजित कर रही है। सम्मेलन का उद्घाटन चित्राडा मुख्य आश्रम, आधुनिक मानवता मंदिर में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने किया। उन्होंने कहा कि मोदी का फिटनेस मंत्र सम्मेलन में आए भक्तों के लिए बहुत उपयोगी है। उन्होंने उनसे डॉ. मकला सत्यनारायण के माध्यम से विस्तार से जानने और इसका पूरा अभ्यास करने, अपने आस-पास के समाज को जागरूक करने और स्वास्थ्य समस्याओं से खुद को बचाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे शरीर में आंतरिक अंगों के नियमित कामकाज से स्वास्थ्य में सुधार होता है, जो पांच तत्वों से बना है।

योग शक्ति साधना समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मकला सत्यनारायण ने कहा कि मोदी के फिटनेस मंत्रों के पांच तत्व ये हैं कि एक तो हाथ की छड़ी विधि का उपयोग करने से प्राण ऊर्जा पुनः सक्रिय होती है और अंगों की कार्यप्रणाली संतुलित होती है। प्राण ऊर्जा बढ़ती है और इससे बीमारियां कम होती हैं। दूसरा यह कि नंगे पैर टहलने करने से आंखों के दबाव बिंदु उत्तेजित होते हैं और बीमार होने की संभावना काफी कम हो जाती है। तीसरा यह कि कानों की मालिश करने से स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह बहुत आसान विधि है और इसके लिए किसी उपकरण की आवश्यकता नहीं होती। चौथा यह कि ध्यान के माध्यम से शक्ति का अभ्यास करना बहुत आसान है।

नमस्कार मुद्रा में ओंकार प्राणायाम करने से प्राण ऊर्जा बढ़ती है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है, सांसों की संख्या कम होती है और आयु बढ़ती है।इस कार्यक्रम में पीठ के संयोजक पेरुरी सुरीबाबू, पीठ प्रबंधक एटीएस सत्यनारायण, वंगरा रेणुका देवी, वंगराअंबिका देवी समेत सेवा कार्यक्रम में सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया और अभ्यास किया और अपने सहयोगियों को आश्वासन दिया कि वे मोदी के आदर्शों को लोगों तक ले जाने के लिए काम करेंगे। कार्यक्रम के बाद पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह नेयोग शक्ति साधना समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मकला सत्यनारायण को सम्मानित किया।

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर,द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा जारी

हैदराबाद
(एजन्सी),

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि पर राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर,द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्लीपर की गई। अवसर पर - सतीश गुप्ता आशा अग्रवाल रामप्रकाश अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल महेश अग्रवाल महेश गुप्ता सुशील गुप्ता अशोक गुप्ता एस.जे आरती गुप्ता रोहित अग्रवाल संजय गोयल गोपाल गोयल नंदकिशोर अग्रवाल भगतराम गोयल ई जगन (चंपा पालतू) कैलाश चंद केडिया निर्मला केडिया और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

गायों की सेवा के लिए मुणोत परिवार ने दिए 51 लाख रुपए

बेंगलूरू
(एजन्सी),

कनकपुरा रोड स्थित अमृतधारा गौशाला में गुरुवार को गोपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कृष्णा गौशाला के प्रमुख संत पुखराज, प्रभुपाद गौशाला के प्रमुख आनंद कृष्णा दास के सानिध्य में महेंद्र सुरक्षा मुणोत, हंसराज भाग्यवंती मुणोत, आनंद स्नेहा मुणोत एवं परिवार जनों ने सैकड़ो गो भक्तों की उपस्थिति में अपने पिता मोतीलाल मुणोत की स्मृति में वृक्षारोपण एवं गो पूजन कर विभिन्न गौशालाओं के प्रमुखों को गायों की सेवा के लिए 51 लाख रुपए की सहयोग राशि के चेक वितरित किए. संत पुखराज ने गायों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए लोगों को गौ सेवा से जुड़ने का आह्वान किया एवं मुणोत परिवार के सेवा कार्यों की सराहना की. महेंद्र मुणोत ने सभी गौ भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए अपने वक्तव्य में कहा मां सत्य है पिता विश्वास है .माता-पिता के हम पर अनंत उपकार हैं, उन्होंने अच्छे संस्कारों से हमें पोषित किया.

माता-पिता भले आज हमारे बीच उपस्थित नहीं है लेकिन वह संतान के दिलों में ,संस्कारों में सदैव जीवित रहते हैं. संतान का यह कर्तव्य होता है कि वह अपने माता-पिता के कार्य को आगे बढ़ाएं ,उनके सपनों को पूरा करें. उन्होंने कहा मेरे माता-पिता किसान थे मुझे गौ सेवा की प्रेरणा उनसे ही मिली और उन्हीं के कार्यों को मेरा परिवार आगे बढ़ा रहा है. उन्होंने यह भी कहा की गाय की उपयोगिता को देखकर भारत सरकार को चाहिए कि वह गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दें एवं गौ रक्षा के लिए कड़े कानून बने. कार्यक्रम में ज्ञान फाऊंडेशन, कामधेनु गौशाला चिकमगलूर, व्हाट फाउंडेशन, आदर्श गौशाला, शिव गौ सेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट, अमृतधारा गौशाला, कृष्ण गौशाला, सुरभि गौशाला ,श्री ओमकार गौशाला, सर्वा, कृपा, कुपा, वृंदावन गौशाला रामोहल्ली, भगवान महावीर गौशाला ट्रस्ट बाणावार, भारतीय गौ परिवार चैरिटेबल ट्रस्ट अरसिकेरे, शांतिनाथ जैन सार्वजनिक गौशाला भीम एवं अन्य गौशालाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे. कार्यक्रम को सफल बनाने में उपेंद्र कुमार गौड़ा ,हनुमान माली, मोतीलाल माली, अमित शर्मा, संतोष तिवारी, राजणा एवं गौतम शर्मा का विशेष योगदान रहा।

तेलंगणा/ महाराष्ट्र /आंध्र प्रदेश /ओरिसा /कर्नाटक

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net